शर्मा हार्डवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 192 | गुवाहाटी | शनिवार, 10 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

खाद्य सुरक्षा हासिल करने में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का अद्वितीय... पेज 2
अलग-थलग पड़ गई है कांग्रेस पार्टी : भाजपा पेज 3
मोदी सरकार ने जीत लिया दिल : जयंत चौधरी पेज 5
जमैका की दिग्गज धाविका शैली-एन फ्रेजर प्राइस पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेंगी पेज 7

हिमंत विश्व शर्मा और लालडुहोमा के बीच बैठक

सीमा विवाद को सुलझाने में सहमत हुए असम-मिजोरम

गुवाहाटी। मिजोरम और असम ने शुक्रवार को लंबे समय से चल रहे अंतर्राज्यीय सीमा विवाद को सुलझाने के लिए सहमति जताई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मिजोरम के सीएम लालडुहोमा को आमंत्रित किया। बता दें कि लालडुहोमा फिलहाल गुवाहाटी में ही मौजूद हैं। बैठक में सीएम शर्मा और लालडुहोमा ने दोनों पूर्वोत्तर राज्यों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिए सामूहिक प्रयास पर सहमति जताई है। दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति बरतने पर भी जोर दिया। मिजोरम के तीन जिले एजल, कोलासिब और ममित असम के कछार, करीमगंज और हैलाकांदी जिलों के साथ 164.6 किमी सीमा साझा करते हैं। दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से ही सीमा विवाद चल रहा है। मिजोरम का दावा है कि बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशन (बीईएफआर) 1873 के तहत 1875 में अधिसूचित इनर लाइन आरक्षित वन का 509 वर्ग मील क्षेत्र उनका है। वहीं दूसरी तरफ असम 1933 को सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा तैयार किए गए मानचित्र में दिखाई गई सीमा को अपना क्षेत्र बता रहा है। इनर लाइन आरक्षित वन का एक बड़ा हिस्सा असम के अंतर्गत आता है। 1933 के सीमांकन के अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

चौधरी चरण सिंह, नरसिम्हा राव एवं एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न का एलान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव को सर्वोच्च नागरिक सम्मान *भारत रत्न* देने का एलान किया है। वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भी भारत रत्न देने का एलान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी *एक्स* पर इसका एलान किया। प्रधानमंत्री मोदी एक के बाद एक तीन ट्वीट कर के तीनों हस्तियों के बारे में लिखते हुए उन्हें यह सम्मान देने की घोषणा की। इससे पहले बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आणवाणी को भी यह

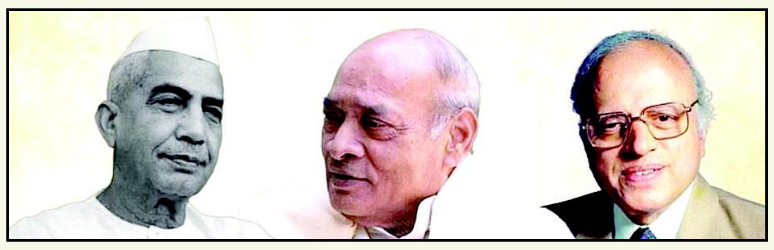

सम्मान देने का एलान हो चुका है। आडवाणी को छोड़कर बाकी चारों हस्तियों को मरणोपरांत यह सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का यह सौभाग्य है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया जा रहा है। यह सम्मान देश के लिए उनके अतुलनीय योगदान को समर्पित है। उन्होंने किसानों के अधिकार -शेष पृष्ठ दो पर

फैसले का सोनिया गांधी ने किया स्वागत

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता व लोकसभा सदस्य सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव, हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए -शेष पृष्ठ दो पर

यूसीसी पर जल्दी ही राज्य विस में पेश होगा विधेयक : पेगु

गुवाहाटी। भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार जल्द ही राज्य विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर एक विधेयक पेश करने पर विचार कर रही है। इस बात की जानकारी असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगु ने गुरुवार (08 फरवरी) को मीडिया से बात करते हुए दी। यह (समान नागरिक संहिता) मुद्दा असम में लंबे समय से चर्चा में है। पेगु ने कहा, बहुत जल्द विधानसभा में एक विधेयक पेश किया जाएगा। यहां बता दें कि उत्तराखंड बुधवार (07 फरवरी) को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर विधेयक पारित करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया। यूसीसी कानूनों के एक सामान्य समूह को संदर्भित करता है जो -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में 1,06,701 मिड-डे मील रसोइया : शिक्षा मंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा के बजट सत्र के आज पांचवे दिन आज शून्यकाल में दो मुद्दों पर चर्चा हुई। एआईयूडीएफ विधायक अशराफुल हुसैन ने मध्याह्न भोजन कर्मियों के वेतन में वृद्धि का मुद्दा सदन में उठाया। सदन में इस पर व्यापक चर्चा हुई। दूसरी ओर, कांग्रेस विधायक भास्कर ज्योति बरुवा ने जागीरोड और कछार की दो पेपर मिलों के संबंधित विभिन्न पहलुओं को उठाया। इन मुद्दों पर शून्यकाल के दौरान सदन में विस्तार से चर्चा की गई। विधायक अशराफुल हुसैन द्वारा उठाए गए मध्यान्ह भोजन रसोइयों के वेतन के मुद्दे के उत्तर में मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने सदन को बताया कि प्रत्येक स्कूल में 25 छात्रों पर एक रसोइया को नियुक्त किया गया है। दूसरी ओर, स्कूल में दो रसोइये और सहायक नियुक्त किए जाते हैं, जिसमें 26-100 छात्र होते हैं। दूसरी ओर, प्रत्येक 100 छात्रों की वृद्धि के साथ, एक अतिरिक्त रसोइया नियुक्त किया जाता है। शिक्षा मंत्री पेगू ने सदन को सूचित किया कि असम में वर्तमान में 1,06,701 मध्याह्न -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

ओपीएस की मांग कर रहे कर्मचारियों से बातचीत जारी : पीयूष

गुवाहाटी। असम विधानसभा सत्र के दौरान संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार को कहा कि पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली की मांग करने वाले कर्मचारियों के साथ राज्य सरकार लगातार बातचीत कर रही है। राज्य में एनपीएस पर कर्मचारियों की शिकायतों का मामला असम गण परिषद (एजीपी) विधायक रामेंद्र नारायण कलिता ने सदन में उठाया, जिन्होंने कहा कि अगर पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) बहाल किया जाता है तो कर्मचारियों को अधिक लाभ होगा। सरकार की ओर से जवाब देते हुए पीयूष हजारिका ने कहा कि एनपीएस को ओपीएस के प्रावधानों के आधार पर तैयार किया गया था। नई प्रणाली में ग्रेच्युटी भुगतान और पारिवारिक पेंशन सहित अन्य प्रावधान हैं, जैसा कि ओपीएस के तहत था। मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि एनपीएस के तहत, किसी कर्मचारी के मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10 प्रतिशत पेंशन फंड में जमा किया जाता है, जिसमें सरकार भी उतना ही योगदान देती है। एक कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के -शेष पृष्ठ दो पर

हल्द्वानी हिंसा पर मौलाना तौकीर का भड़काऊ बयान, भड़की भीड़ ने कर दिया बवाल

बरेली। बरेली में आईएमसी (इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के आह्वान पर गिरफ्तारी देने पहुंची भीड़ मौके पर कुछ नहीं कर सकी तो लौटते वक्त अराजकता पर उतर आई। हल्द्वानी कांड का गुस्सा बरेली में फूटा। मौलाना तौकीर के भड़काऊ बयान ने आग में घी डालने का काम किया। पुराना शहर में भीड़ ने कई दुकानों में तोड़फोड़ कर दूसरे समुदाय के लोगों की पिटाई कर दी। इसमें चार लोग घायल हुए हैं। पुलिस और प्रशासन की तैयारियां नाकाफी साबित हुईं। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने शुक्रवार को इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान से पैदल मार्च करते हुए कलक्ट्रेट पहुंचकर गिरफ्तारी देने का आह्वान किया था। आईएमसी की ओर से पर्चे बांटकर लोगों से इसमें शाामिल होने की अपील की जा रही थी। पुलिस ने कार्यक्रम को अवैध घोषित कर पर्चा बांटने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। मौलाना तौकीर समेत 30 लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। पुलिस ने बिहारीपुर चौकी क्षेत्र के उस इलाके को छावनी बना दिया जहां मौलाना व उनके समर्थकों के आवास, मस्जिद और इस्लामिया इंटर कॉलेज का मैदान है। दोपहर एक से शाम चार बजे तक रस्साकशी चली। इस बीच सुरक्षा बंदोबस्त को -शेष पृष्ठ दो पर

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

चुनाव : रुझानों में इमरान की पार्टी समर्थित 154 उम्मीदवार आगे

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान में धांधली के आरोपों और छिटपुट हिंसा के बीच गुरुवार को हुए आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों को बढ़त मिलती दिख रही है। मुल्क में नेशनल असेंबली की 336 सीटों में से 266 पर मतदान कराया जाता है, लेकिन बाजौर के हमले में एक उम्मीदवार की मौत हो जाने के बाद एक सीट पर मतदान स्थगित कर दिया गया था। नेशनल असेंबली की 265 सीटों में से 163 के रुझानों में पीटीआई समर्थित 154 उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने मतदान संपन्न होने के 10 घंटे से अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

हिंसा में मारे गए सभी की हुई शिनाख्त, कर्फ्यू जारी, इंटरनेट निलंबित

एक-एक उपद्रवी की होगी शिनाख्त होगी कड़ी कार्रवाई : मुख्यमंत्री

देहरादून/नैनीताल (हि.स.)। नैनीताल जिले के हल्द्वानी में गुरुवार को हुई बनभूलपुरा हिंसा में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 14 लोग घायल हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, इनमें से तीन की हालत अत्यंत गंभीर है। हिंसा में मारे गए सभी लोगों की शिनाख्त कर ली गई है। राज्य सरकार ने बनभूलपुरा में हिंसा करने वाले किसी भी व्यक्ति को न बख्शने के कड़े निर्देश दिए हैं। शहर के उपद्रवग्रस्त इलाके में कर्फ्यू जारी है और इंटरनेट सेवा भी निलंबित कर दी गई हैं। उत्तराखंड पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि बनभूलपुरा हिंसा में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। हिंसा में घायल तीन लोगों की स्थिति अत्यंत गंभीर है। हिंसा में मारे गए -शेष पृष्ठ दो पर

इस बार लोस चुनाव में करीब 97 करोड़ युवा करेंगे मतदान

नई दिल्ली। लोकतंत्र का महापर्व आने वाला है और इस बार महापर्व में करीब 97 करोड़ लोग वोट डालेंगे। भारतीय चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बताया कि करीब 97 करोड़ भारतीय आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिए पात्र हो जाएंगे और वे अपना मत डाल सकेंगे। चुनाव आयोग ने बताया कि 18 से 29 वर्ष की आयु के दो करोड़ से अधिक युवा मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया है। चुनाव आयोग ने कहा कि इस बार पिछले लोकसभा चुनाव (2019) से पंजीकृत मतदाताओं की तुलना में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बता दें कि ये अपने आप में -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

कठोर वाणी अग्नि दाह से भी अधिक तीव्र दुःख पहुंचाती है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

एक राष्ट्र एक चुनाव पर राज्य चुनाव आयुक्तों के साथ उच्च स्तरीय समिति ने की बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। एक राष्ट्र एक चुनाव पर बनी उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) के अध्यक्ष रामनाथ कोविन्द और इसके सदस्य सुभाष कश्यप, एन.के. सिंह और संजय कोठारी ने आज देशभर में एक साथ चुनाव कराने के विषय पर राज्य चुनाव आयुक्तों (एसईसी) के साथ उनके विचार जानने के लिए बातचीत शुरू की। बैठक में एचएलसी के सचिव डॉ. राजीव मणि भी उपस्थित थे। एचएलसी ने राजस्थान के राज्य चुनाव -शेष पृष्ठ दो पर

वेलेंटाइन डे से पहले पब, बार और रेस्तरां में शराब पर लगा बैन

बेंगलुरु। वेलेंटाइन डे से पहले किसी तरह की शरारत या अनहोनी घटना न हो इसके लिए शहर में पब, बार और रेस्तरां व्यवसाय के मालिकों को बेंगलुरु सिटी पुलिस द्वारा वेलेंटाइन डे से शराब की बिक्री पर बैन लगा दिया। जिससे लगाए गए प्रतिबंध के कारण राजस्व में नुकसान की आशंका है। बेंगलुरु शिक्षक विधानसभा क्षेत्र के लिए 16 फरवरी को होने वाले चुनाव के मद्देनजर 14 फरवरी शाम 5 बजे से 17 फरवरी सुबह 6 बजे तक प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध 20 फरवरी को सुबह 6 बजे से मतगणना के दौरान भी लागू रहेगा। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि शराब कारोबार से सरकार को 60 करोड़ रुपए का राजस्व मिलता है। उन्होंने कहा कि वैलेंटाइन डे समारोह के दौरान शराब की बिक्री कम से कम 50 प्रतिशत बढ़ जाती है। प्रतिबंध से उद्योग और उन लोगों को निराशा हुई है जो जश्न मनाने की योजना बना रहे थे। ब्रुहत बेंगलुरु होटलियर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पीसी राव ने डेक्कन हेराल्ड को बताया कि दो दिन के प्रतिबंध के कारण सरकार को करीब 120 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान भी होगा। इसी तरह, फेडरेशन ऑफ वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन, कर्नाटक के उपाध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

गाजा में हुए हमलों में 13 लोगों की मौत बाइडेन ने की इजराइल की सराहना

वाशिंगटन। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा हमास की संघर्ष विराम शर्तों को अस्वीकार करने और दक्षिणी गाजा शहर में हमले बढ़ाने का संकल्प व्यक्त करने के बाद गाजा पट्टी के राफा में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 13 लोग मारे गए। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गाजा में इजरायल की सैन्य कार्रवाई को अविश्वसनीय बताया और कहा कि वह युद्ध में संघर्ष विराम के लिये इजराइल तथा हमास पर लगातार दबाव डालने का काम कर रहा है। बाइडेन ने गुरुवार शाम को खुफिया जानकारी को संभालने से संबंधित एक विशेष वकील की रिपोर्ट पर बयान देने के बाद संवाददाताओं से कहा कि जैसा कि आप जानते हैं, मेरा मानना है कि गाजा पट्टी में हो रही कार्रवाई चरम पर है। गाजा पट्टी की आधी से अधिक आबादी राफा में आ गई है, जो मिस्र से लगता एक शहर है जिसकी ज्यादातर सीमा प्रतिबंधित है और मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए मुख्य प्रवेश बिंदु है। मिस्र ने चेतावनी दी है -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

खाद्य सुरक्षा हासिल करने में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का अद्वितीय योगदान : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आईसीएआर-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के 62वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने देश को खाद्य सुरक्षा प्राप्त करने में अद्वितीय योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि संस्थान ने न केवल कृषि से संबंधित अनुसंधान एवं विकास कार्यों को कुशलतापूर्वक किया है बल्कि इन कार्यों को जमीन पर उतारने का भी काम किया है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इस संस्थान ने 200 से अधिक नई प्रौद्योगिकियां विकसित की हैं। 2005 और 2020 के बीच आईएआरआई ने 100 से अधिक किस्में विकसित की हैं और इसके नाम पर 100 से अधिक पेटेंट हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत

में एक बड़ी आबादी खेती से जीविकोपार्जन करती है। भारत की जीडीपी में कृषि का भी महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि हमारी अर्थव्यवस्था का आधार यथासंभव बढ़े और इसमें कोई बाधा न आए। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने, नई कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने और सुचारु सिंचाई प्रणाली प्रदान करने के लिए काम कर रही है। सरकार ने किसानों को आय सुरक्षा प्रदान करने के लिए सभी फसलों के एमएसपी में उल्लेखनीय वृद्धि की है। राष्ट्रपति ने कहा कि किसानों और कृषि से जुड़ी समस्याओं से हम सभी परिचित हैं। हमारे कई किसान भाई-बहन आज भी गरीबी में जी रहे हैं। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए और अधिक तत्परता से आगे बढ़ना होगा कि किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिले और वे गरीबी के जीवन से समृद्धि की ओर बढ़ें।

संत कभी सुप्त नहीं होते : भागवत

मुरैना/भोपाल (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने मुरैना में आयोजित तीन दिवसीय संघ के प्रांतीय कार्यकर्ता सम्मेलन के दूसरे दिन शुक्रवार को अंचल के प्रमुख संतों का सम्मान कर उनसे भेंट वार्ता की। इस दौरान उन्होंने पांच संतों से मुलाकात की। इन सभी संतों ने सनातन संस्कृति को वैश्विक संस्कृति बनाने पर चर्चा की। इस दौरान सरसंघचालक डॉ भागवत ने कहा कि संत कभी सुप्त नहीं होते, बल्कि समय-समय पर प्रकट होकर समाज का मार्गदर्शन करते हैं। संतों से भेंट चर्चा के दौरान यह भी सामने आया कि हिन्दू समाज जब तक विभिन्न जाति एवं वर्गों में बंटा रहेगा, तब तक देश शक्तिशाली नहीं बनेगा। सरसंघ चालक ने संतों से चर्चा के दौरान समाज को साथ लेकर विश्व गुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संत समाज में सद्‌भाव और स्नेह के साथ मिलकर काम करने और देश की सनातन संस्कृति को आगे रखते हुए दुनिया में आगे ले जाने वाले हैं। भेंट चर्चा में सरसंघचालक डॉ भागवत से जरेरूआ सरकार हरिदास महाराज, दंदरौआ धाम के महंत रामदास महाराज, पीताम्बरा पीठ दतिया के मुख्य महंत विष्णुकांत मुडिया, करह आश्रम के महंत दीनबंधु महाराज और महाशुख का पुरा अम्बाह के प्रसिद्ध संत ऋषि महाराज ने विस्तार से चर्चा की और सनातन संस्कृति को आगे ले जाने पर अपने विचार रखे। सभी संतों ने कार्यक्रम स्थल पर बने हुए सभी नगर और प्रदर्शनी का भ्रमण कर अवलोकन किया। इस मौके पर संघ के विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सरसंघ चालक डॉ. मोहन भागवत ने शॉल और श्रीफल भेंट कर सभी संतों का सम्मान किया। इस दौरान उनके साथ क्षेत्र संघचालक, प्रांत संघचालक अशोक पांडेय, प्रान्त कार्यवाह यशवंत जी, प्रांत संपर्क प्रमुख उपस्थित रहे। इससे पहले सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शुक्रवार सुबह उज्जैन से ग्वालियर होते हुए मुरैना पहुंचे। इस दौरान सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था रही। उनकी सुरक्षा में एनएसजी के कमांडों भी तैनात रहे। सरसंघचालक मुरैना में तीन दिवसीय संघ के शिविर में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत किया गया। डॉ. भागवत कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए और उनका मार्गदर्शन किया। गुरुवार को शुरू हुआ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत का प्रांतीय सम्मेलन मुरैना के सुंदरपुर गांव में हो रहा है। संघ ने मध्य भारत को आठ विभागों में बांटा है, जिसमें राजगढ़, विदिशा, गुना, भोपाल, ग्वालियर, नर्मदापुरम, शिवपुरी और मुरैना जिला शामिल हैं। कार्यक्रम स्थल 80 बीघा जमीन पर तैयार किया गया है।

पूसीरे ने जनवरी में 1245 माल ढुलाई रेक किए अनलोड

गुवाहाटी (हिंस)। आवश्यक और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने में पूर्वोत्तर सीमा रेल माल ढुलाई की अनलोडिंग में निरंतर वृद्धि दर्ज कर रहा है। जनवरी, 2024 में माल ढुलाई के 1245 रेक अनलोड किए गए। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल, 2023 से जनवरी, 2024 के दौरान पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के क्षेत्राधिकार में माल ढुलाई के 11512 रेक अनलोड किए गए।पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि पूसीरे ने उक्त महीने के दौरान एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, ऑटोमोबाइल, कंटेनर और अन्य सामग्रियों का परिवहन कर इसे अपने क्षेत्राधिकार के विभिन्न गुड्स शेडों में अनलोड किया। चालू वर्ष के जनवरी माह के दौरान, असम में मालगाड़ियों के 714 रेकों को अनलोड किया गया, जिनमें से 405 रेक आवश्यक सामग्रियों के लदे थें। उसी महीने के दौरान त्रिपुरा में 91 रेक, नगालैंड में 19 रेक, मणिपुर में 05 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 06 रेक और मिजोरम में 08 रेक अनलोड किए गए। इसके अलावा, पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन पश्चिम बंगाल में माल ढुलाई के 229 रेकों और बिहार में माल ढुलाई के 173 रेकों को भी उस महीने के दौरान अनलोड किया गया था। न केवल आम लोगों की मौलिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए, बल्कि सभी अंचलों की स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को चालू रखने के लिए आवश्यक और अन्य वस्तुओं का नियमित रूप से परिवहन किया जा रहा है।

मवेशी समेत 3 चोर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव जिला के कलियाबोर में मवेशियों की चोरी की वारदातें जारी हैं। इसी कड़ी में कलियाबोर थाना क्षेत्र के शिलघाट के समधारा गांव में बीती रात गायों की चोरी कर भाग रहे तीन चोरों को पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ लिया। गाय चोरी में इस्तेमाल लग्जरी वाहन को भी जब्त किया गया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात के समय शिलघाट के समधारा गांव निवासी पुनिराम हजारिका और अपूर्व हजारिका नामक दो ग्रामीणों के गौशालाओं से दो गायों को चोर अपनी लग्जरी वाहन में लादकर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस की गस्ती टीम से चोरों का आमना-सामना हो गया। पुलिस की गाड़ी देखते ही कार समेत चोरों का गिरोह भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने पीछाकर गिरोह के तीनों सदस्यों को पकड़ लिया। शिलघाट के त्रिसुलधारी पुलिस ने दो गायों के साथ एक टाटा जेस्ट वाहन (एएस-01बीडब्ल्यू-8791) जब्त किया।

मणिपुर पुलिस ने नष्ट की 20 एकड़ अफीम की खेती

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस का अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। इसी सिलसिले में पुलिस ने उखरूल जिले के मुसल्लम तथा सोंगफेल पर्वतीय क्षेत्र के आसपास के क्षेत्रों में अफीम की खेती को नष्ट करने का व्यापक अभियान चलाया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि अभियान में लगभग 20 एकड़ अफीम की खेती को नष्ट किए गए। सुरक्षा बलों के पहुंचने की सूचना पाकर इसके कारोबार से जुड़े लोग हालांकि भाग गए। उल्लेखनीय है कि मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष अब तक सैकड़ों हेक्टेयर से अधिक अफीम की खेती को नष्ट किया जा चुका है।

मणिपुर पुलिस ने 225 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 225 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 173 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 215 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 94PSC/CON/Exam-19/2021-2022

ADDENDUM

In continuation of this office notification no. 68PSC/CON/Exam-19/2021-2022 dated 30.01.2024 the candidates bearing the following Roll Numbers are found eligible to appear in the interview/viva-voce for the post of ***Forest Ranger in the Assam Forest Service under Environment & Forests Department, Assam*** (Advt. No. : 14/2021 Dated 27/12/2021) on further verification of necessary documents.

Roll Numbers (Horizontally) are stated below:

10513	12490	14001
16222	17481	18748
20009	21435	26688

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/ 17502 / 23

पृष्ठ एक का शेष

सीमा विवाद को...

क्षेत्र का एक निश्चित हिस्सा मिजोरम में पड़ता है। दोनों राज्यों के बीच सीमाओं का कोई जमीनी सीमांकन नहीं है। साल 2021 में असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद ने विशाल मोड़ ले लिया था, जब दोनों राज्यों के पुलिसबल ने सीमाओं पर गोलीबारी की थी। इस घटना में छह पुलिसकर्मी और एक असम के नागरिक की मौत हो गई थी। उधर शर्मा ने लालदुहोमा से कहा कि असम विधानसभा का मौजूदा बजट सत्र समाप्त होने पर वह अपने सीमा प्रभारी मंत्री को मिजोरम भेजेंगे। मिजोरम के तीन जिले - एजल, कोलासिब और ममित - असम के कछार, करीमगंज और हैलाकांदी जिलों के साथ 164.6 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच सीमा विवाद एक लंबे समय से चला आ रहा मुद्दा है, जो मुख्य रूप से दो औपनिवेशिक सीमांकन से उत्पन्न हुआ है। मिजोरम का दावा है कि बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशन (बीईएफआर), 1873 के तहत 1875 में अधिसूचित इनर लाइन आरक्षित वन का 509 वर्ग मील क्षेत्र उसके क्षेत्र में आता है। दूसरी ओर, असम ने 1933 में भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा तैयार किए गए मानचित्र में दिखाई गई सीमा को अपनी संवैधानिक सीमा माना है। दोनों राज्यों के बीच सीमाओं का कोई जमीनी सीमांकन नहीं है। मिजोरम और असम के बीच सीमा विवाद ने जुलाई 2021 में उस समय एक भयावह मोड़ ले लिया था, जब दोनों राज्यों के पुलिस बलों के बीच अंतर-राज्यीय सीमा पर गोलीबारी हुई थी।

ओपीएस की मांग ...

समय अर्जित राशि का 60 प्रतिशत भुगतान किया जाता है और शेष 40 प्रतिशत से अधिक पेंशन का भुगतान किया जाता है, जिसका उपयोग वार्षिकी खरीदने के लिए किया जाता है। सरकार की तरफ से बोलते हुए पीयूष हजारिका ने कहा कि जिन लोगों की सेवा के 30-32 साल बचे हैं, उन्हें एनपीएस के तहत लाभ होगा। शायद, कम सेवा शर्तों वाले लोगों को कुछ समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के वित्त मंत्री अजंता नियोग ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग करने वाले संगठनों के साथ बैठक की है, मामले पर विचार करने का आश्वासन दिया है। साथ ही उन्होंने सदन में कहा कि हम इस मामले पर अपनी चर्चा जारी रखेंगे। पीयूष हजारिका ने कहा कि राज्य के वित्त मंत्री पहले ही ओपीएस को वापस लाने की मांग पर कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर चुके हैं।

चौधरी चरण सिंह...

और उनके कल्याण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हों या देश के गृहमंत्री और यहां तक कि एक विधायक के रूप में भी, उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति प्रदान की। वे आपातकाल के विरोध में भी डटकर खड़े रहे। हमारे किसान भाई-बहनों के लिए उनका समर्पण भाव और इमरजेंसी के दौरान लोकतंत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता पूरे देश को प्रेरित करने वाली है। पीएम मोदी ने लिखा कि यह बेहद खुशी की बात है कि भारत सरकार कृषि और किसानों के कल्याण में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित कर रही है। उन्होंने चुनौती भरे समय में भारत को कृषि में आत्मनिर्भरता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारतीय कृषि को आधुनिक बनाने की दिशा में उत्कृष्ट प्रयास किए। हम उनके अमूल्य कामों को भी पहचानते हैं। डॉ. स्वामीनाथन के दूरदर्शी नेतृत्व ने न केवल भारतीय कृषि को बदला, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा और समृद्धि भी सुनिश्चित की। वह ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें मैं करीब से जानता था और मैं हमेशा उनकी अंतर्दृष्टि और इनपुट को महत्व देता था। पीएम मोदी ने लिखा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमारे पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। एक प्रतिष्ठित विद्वान और राजनेता के रूप में नरसिम्हा राव ने देश की बड़े पैमाने पर सेवा की। उन्हें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और कई वर्षों तक संसद और विधानसभा सदस्य के रूप में किए गए कार्यों को आज भी याद किया जाता है। उनका दूरदर्शी नेतृत्व भारत को आर्थिक रूप से उन्नत बनाने, देश की समृद्धि और विकास के लिए एक ठोस नींव रखने में सहायक था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में नरसिम्हा राव के कार्यकाल ने भारत को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया, जिससे आर्थिक विकास के एक नए युग को बढ़ावा मिला। इसके अलावा भारत की विदेश नीति, भाषा और शिक्षा क्षेत्रों में उनका योगदान एक ऐसे नेता के रूप में उनकी याद किया जाता है, जिन्होंने न केवल महत्वपूर्ण परिवर्तनों के माध्यम से भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि इसकी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को भी समृद्ध किया। करीब 68 साल पहले शुरू हुए इस सर्वोच्च सम्मान से अब तक 53 हस्तियों को सम्मानित किया जा चुका है। पहली बार साल 1954 में आजाद भारत के पहले गवर्नर जनरल चक्रवर्ती राज गोपालाचारी, वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकटरमन और सर्वपल्ली राधाकृष्णन को दिया गया था। मोदी सरकार के करीब 10 साल के कार्यकाल में अब तक 10 हस्तियों को सर्वोच्च सम्मान दिया जा चुका है, जिसमें इस साल कर्पूरी ठाकुर समेत पांच नामों का एलान किया गया है। दिवंगत प्रणब मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख से पहले मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में साल 2015 में पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित मदन मोहन मालवीय को यह सर्वोच्च सम्मान दिया गया था। इसके चार साल बाद बीते लोकसभा चुनाव के कुछ महीने बाद तीन हस्तियों को सर्वोच्च सम्मान देने की घोषणा की गई थी।

फैसले का सोनिया...

जाने पर खुशी जताई है। सोनिया गांधी से शुक्रवार को संसद भवन परिसर में जब मीडियाकर्मियों ने भारत रत्न को लेकर उनका मत जानना चाहा तो उन्होंने कहा कि मैं इसका स्वागत करती हूं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने कहा कि तीनों व्यक्तियों (चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव और स्वामीनाथन) ने देश को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। भारत सरकार ने इन्हें भारत रत्न से नवाजा है। यह खुशी की बात है। इसको राजनीति से परे देखा जाना चाहिए। शुक्ला ने मोदी सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक ओर पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न दिया है वहीं दूसरी तरफ राव के आर्थिक विजन को आगे बढ़ाने वाली टीम के खिलाफ मोदी सरकार *श्वेत पत्र* लाई है। मोदी सरकार को इस बात पर भी गौर करना चाहिए।

यूसीसी पर जल्दी...

सभी भारतीय नागरिकों पर लागू होता है, और यह विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने सहित अन्य व्यक्तिगत मामलों से निपटने में धर्म पर आधारित नहीं है। इससे पहले, असम सरकार ने दावा किया था कि पूर्वोत्तर राज्य विवादास्पद कानून लागू करने वाला देश का दूसरा राज्य बन जाएगा। उत्तराखंड विधानसभा में यूसीसी विधेयक के पारित होने को एक ऐसा कदम माना जा रहा है जो अन्य भाजपा शासित राज्यों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

राज्य में 1,06,701 मिड-डे ...

भोजन रसोइये हैं। इन रसोइयों को 1,500 रुपए मानदेय के रूप में भुगतान किया जाता है। इस पैसे में से 900 रुपए केंद्र सरकार और 100 रुपए राज्य सरकार खर्च करती है। दूसरी ओर पिछले दिनों राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक को 500 रुपए और बढ़ा दिए गए, इस प्रकार रसोइयों को कुल 1,500 रुपए मिलते हैं। मंत्री पेगू ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली 900 रुपए को बढ़ाकर 1,500 रुपए करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि स्कूलों को जल्द ही चरणबद्ध तरीके से रसोई गैस और प्रेशर कुकर उपलब्ध कराए जाएंगे। शिक्षा मंत्री ने सदन को बताया कि प्रदेश के चाय बागान इलाकों और चर क्षेत्रों में मिड डे मील के लिए अंडे अतिरिक्त दिए जाते हैं।

हल्द्वानी हिंसा पर ...

दरकिनार कर हजारों लोगों की भीड़ प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच गई। यहां सांकेतिक गिरफ्तारी के बाद लोगों से घर लौटने की बात कहकर मौलाना तौकीर चले गए। हालांकि, भीड़ का गुस्सा कम नहीं हो रहा था। वे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के विरोध में नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने सख्ती कर भीड़ को वहां से हटाया तो लोग जत्थों में नारेबाजी करते लौट गए। गुस्से में भरे लोग नारेबाजी करते हुए जब श्यामगंज व पुराना शहर के इलाके में आए तो इनमें से कुछ ने दुकानों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। अधिकतर दुकानें बंद थीं तो इन लोगों ने फल व फूलों के फड़ों पर हमला बोला और सारा सामान तितर-बितर कर दिया। इस दौरान दूसरे समुदाय के लोगों को पकड़कर पीटा गया। इससे चार लोग घायल हो गए। स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि कुछ दुकानों में आग लगाने की कोशिश भी की गई पर पुलिस के आने पर हुड़दंगी नारेबाजी करते हुए फरार हो गए। सैलानी में बाजार खुला था और लड़कों की भीड़ दुकानों पर समूह बनाकर खड़ी थी। पुलिस ने दुकानों बंद कराईं तो लड़के गलियों में भाग निकले। एसपी सिटी राहुल भाटी के नेतृत्व में पुलिस, पीएसी व आरएएफ ने सैलानी में भीड़ को दूर तक खदेड़ा। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने देश में मुसलमानों के खिलाफ नफरत का माहौल बनाने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी देकर विरोध जताया। शुक्रवार को जुमे की नमाज पर जाने से पहले उन्होंने तीखा बयान दिया। मौलाना ने कहा कि हमें मजबूर कर दिया गया है। मुल्क में नफरत का माहौल बनाया हुआ है। अगर किसी ने कोई अपराध किया है तो उसे गिरफ्तार किया जाए। उसके मकान, मदरसे और मस्जिद पर बुलडोजर क्यों चलाया जा रहा है? इसका हम विरोध करेंगे। मौलाना ने कहा कि हम अपनी हिफाजत खुद करेंगे। हमें कानूनी अधिकार है कि अगर कोई हम पर हमलावर हुआ तो उसे जान से मार देंगे। पुलिस, बजरंग दल, शिवसेना ये सब मिलकर देश को बर्बाद करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की। एडीजी पीसी मीना, आईजी डॉ. राकेश सिंह, डीएम रविंद्र कुमार, एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान, एसपी सिटी राहुल भाटी समेत अन्य अधिकारी शहर में घूमकर स्थिति का जायजा लेते रहे। डीएम व एसएसपी तो एक साथ कार में शहर का चक्कर लगाते रहे। मातहतों से पल-पल का अपडेट लेते रहे। पथराव के बाद डीएम रविंद्र कुमार और एसएसपी सुशील घुले श्यामगंज में पहुंचे और पुलिस से जानकारी लेने के बाद मीडिया से बात की। डीएम ने कहा कि मौलाना तौकीर रजा का कार्यक्रम सही से निपट गया था। अचानक भीड़ ने यहां जो भी किया, वह योजनाबद्ध नहीं लग रहा। फिर भी एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी कराएंगे। हल्द्वानी की घटना से बरेली का मामला जोड़ने के सवाल पर डीएम ने कहा कि इस घटना को हल्द्वानी से जोड़ना सही नहीं है। हालांकि ये संभव है कि लोगों ने इसे हल्द्वानी से जोड़कर अफवाह फैलाई होगी। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा। एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने बताया कि बिहारीपुर से लौट रहे लोगों ने श्यामगंज में कुछ दुकानों पर पत्थर फेंके। बाइक सवार से मारपीट की। इस मामले में बारादरी थाने में दो रिपोर्ट दर्ज की जा रही हैं। आईएमसी के कार्यक्रम में भीड़ आने को लेकर वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है। अफवाहें फैलाने वालों से सावधान रहें। लोगों से अपील की जा रही है कि वह न तो गुमराह हों और न ही गुमराह न हों। फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

चुनाव : रुझानों में इमरान...

समय बाद शुक्रवार देररात चुनावी परिणाम की घोषणा शुरू की। अभी मतगणना जारी है। अब तक जिन बड़े नेताओं ने जीत हासिल की है, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ, उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ, शहबाज शरीफ के बेटे हमजा शहजाद और शरीफ की बेटी मरियम नवाज शामिल हैं। आयोग के अनुसार जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ के नेता गौहर अली खान और असद कैसर ने भी जीत हासिल की। पीपीपी नेता आसिफ अली जरदारी और उनके बेटे बिलावल भी अपनी-अपनी सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं। चुनाव में मुख्य मुकाबला इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई), तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) और बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल में हैं और उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध है। 71 वर्षीय खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उम्मीदवार निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उनकी पार्टी के चुनाव चिह्न क्रिकेट का *बल्ला* से वंचित करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को बरकरार रखा था। नई सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 265 सीट में से 133 सीट जीतनी होंगी।

एक-एक उपद्रवी ...

लोगों की शिनाख्त फईम कुरैशी, जाहिद, मौ. अनस, शब्बान और प्रकाश कुमार के रूप में हुई है। नैनीताल जिला प्रशासन के अनुसार बेस चिकित्सालय में सात, कृष्णा चिकित्सालय में तीन, सुशीला तिवारी चिकित्सालय में तीन और बृजलाल चिकित्सालय में एक घायल का उपचार चल रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजधानी में अपने सरकारी आवास पर स्थिति पर उच्च अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। इस बीच ड्रोन से पूरे वनभूलपुरा क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। पुलिस मुख्य साजिशकर्ता को तलाश कर रही है। इस मामले में अब तक तीन एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए पूरे शहर में इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी है। मुख्यमंत्री धामी ने अपने आवास पर हुई बैठक में निर्देश दिए हैं कि अवैध निर्माण हटाने के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमला करने और अशांति फैलाने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने शांति व कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एडीजी (कानून और व्यवस्था) एपी अंशुमान को प्रभावित क्षेत्र में कैंप करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आगजनी और पथराव करने वाले एक-एक उपद्रवी की पहचान कर कार्रवाई की जाए। बैठक में विशेष प्रमुख सचिव/ एडीजी अमित सिन्हा, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, अपर सचिव जेसी कांडपाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। नैनीताल ब्यूरो के अनुसार आज सुबह जिलाधिकारी वंदना सिंह ने पत्रकारों से कहा कि बिना उकसावे की कार्रवाई पर अधिकारियों को थाने में जिंदा जलाने की कोशिश की गई। फिलहाल हल्द्वानी में स्थिति नियंत्रण में हैं। डीएम वंदना ने कहा कि शहर में 1100 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। उपद्रवग्रस्त इलाके में कर्फ्यू अगले आदेश तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हमला एक तरह से कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए किया गया है। ढाई घंटे के भीतर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। इस मामले में चार उपद्रवी पुलिस हिरासत में हैं। डीएम ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान कई दुकानें भी हटाई गईं। प्रशासन की कार्रवाई में किसी का घर नहीं टूटा और न ही कोई बेघर हुआ। डीएम ने साफ किया कि वहां कोई धार्मिक स्थल नहीं था। नजूल भूमि पर अतिक्रमण था। भीड़ प्रशासनिक मशीनरी पर हमला करने पर आमादा थी और उन पर यह हमला सुनियोजित था। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान आधे घंटे के भीतर ही नगर निगम की टीम पर पथराव किया गया। उन्हें शांत किया तो दूसरी भीड़ ने पेट्रोल बमों से हमला कर दिया। इसके बाद भीड़ ने थाने को निशाना बनाया और वाहन फूंक डाले। उन्होंने कहा कि हमलावरों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की गई। आत्मरक्षार्थ गोली चलाने के आदेश दिए गए। यहां से भीड़ को हटाया गया तो दंगाई गांधीनगर पहुंच गए। वहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं। स्थिति संभालने के लिए पीएसी व अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया। पत्रकारों से बातचीत में एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि 15-20 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। इनसे क्षति की वसूली की जाएगी। अगले तीन घंटों में कार्रवाई शुरू हो जाएगी।

इस बार लोस ...

एक रिकॉर्ड होगा, जब इतनी तादाद में लोग मतदान करेंगे। चुनाव आयोग ने कहा कि दुनिया के सबसे अधिक मतदाता (96.88 करोड़) भारत में आगामी आम चुनावों के लिए मतदान करने के लिए पंजीकृत हैं। इसके अलावा लिंग अनुपात 2023 में 940 से बढ़कर 2024 में 948 हो गया है। चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में पारदर्शिता को महत्व दिया गया है और सूची की शुद्धता पर पूरा ध्यान दिया गया है।

वेलेंटाइन डे से ...

करुणाकर हेगड़े ने भी राजस्व में बड़े नुकसान की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि कई पब और रेस्तरां जिनके पास एक साझा क्षेत्र है जहां भोजन और शराब परोसा जाता है, उन्हें पूरी तरह से बंद करना होगा। शराबबंदी के मद्देनजर रेस्तरां अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अपने मेन्यू में नई-नई चीजें जोड़ रहे हैं। सीबीडी में एक रेस्तरां के प्रबंधक ने कहा कि बार के मोर्चे पर घाटे की भरपाई के लिए, हम अनोखे व्यंजन पेश करने की उम्मीद करते हैं जो आमतौर पर मेनू में नहीं होते हैं। शहर में पब और रेस्तरां के मालिकों को भी बुकिंग और विशेष कार्यक्रम की योजनाओं में गिरावट की आशंका है, क्योंकि आमतौर पर वेलेंटाइन डे समारोह के दौरान उनके ग्राहकों में 50 प्रतिशत की वृद्धि देखी जाती है। पूर्वी बेंगलुरु में एक लोकप्रिय शराब की दुकान को बिक्री पर तीन दिन के प्रतिबंध के कारण प्रतिदिन 2 लाख रुपए के नुकसान की आशंका है।

गाजा में हुए हमलों ...

कि यहां कोई भी जमीनी कार्रवाई या सीमा पार बड़े पैमाने पर विस्थापन की घटना इजरायल के साथ उसकी 40 साल पुरानी शांति संधि को कमजोर कर देगी। कुवैती अस्पताल के अनुसार, हमलों में दो महिलाओं और पांच बच्चों सहित कम से कम 13 लोग मारे गए। इजराइल के चार महीने से जारी हवाई और जमीनी हमलों में 27,000 से अधिक फलस्तीनी लोग मारे गए। इजराइल के हमलों ने अधिकांश लोगों को उनके घरों को छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया और एक चौथाई आबादी को भुखमरी की ओर धकेल दिया है।

एक राष्ट्र एक चुनाव ...

आयुक्त मधुकर गुप्ता, दिल्ली और चंडीगढ़ के पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त संजय श्रीवास्तव और हरियाणा के पूर्व राज्य चुनाव आयुक्त डॉ. दलीप सिंह के साथ बैठकें कीं।

सीसीटीवी कैमरे में कैद कारोबाड़ी प्रतिष्ठान से पैसे चोरी का दृश्य

जोरहाट (हिंस)। दुकान में एक युवक बेहद चतुराई के साथ सबसे सामने कैश बाक्स से पैसे चुराकर फरार हो गया। इस घटना का पूरा दृश्य सीसीटीवी में कैद हो गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि जोरहाट जिला शहर के बोरपुल में दीपांकर बोरा के डीबी एंटरप्राइज नामक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में एक ठग प्रवेश कर टूटी-फूटी हिंदी भाषा में धार्मिक समारोह के लिए अनुदान की मांग की। इस बीच प्रतिष्ठान में मौजद व्यक्ति द्वारा छुट्टे पैसे नहीं होने की बात कहे जाने के दौरान ही युवक ने कुशलता के साथ कैश बाक्स से 8 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गया। इस दौरान प्रतिष्ठान के बाहर बाइक पर सवार एक अन्य युवक चोरी के सभी पहलुओं की निगरानी कर रहा था। पैसे चुराने के बाद दोनों युवक बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। बेहद व्यस्त इलाके में युवक के व्यापारिक प्रतिष्ठान में घुसने और पैसे लूटने के सभी दृश्य सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। इस बीच, घटना की जानकारी मिलने के बाद जोरहाट सदर थाना पुलिस की एक टीम व्यापारिक प्रतिष्ठान पहुंचकर जांच आरंभ किया।

अलग-थलग पड़ गई है कांग्रेस पार्टी : भाजपा

प्रधानमंत्री की गगनचुंबी लोकप्रियता, विपक्ष की पकड़ ढीली: जूरी

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की सर्वव्यापी कल्याणकारी योजनाओं के कारण ही देश के लोगों को समावेशी विकास का सुरक्षित वातावरण मिलने के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा और न्याय का आश्वासन मिला है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रियता और संगठनात्मक आधार देश में पहले से कहीं अधिक बढ़ा है। यह टिप्पणी असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की है। पार्टी प्रवक्ता डॉ. जूरी शर्मा बरदलै ने ये बातें आज यहां पार्टी के मुख्य कार्यालय *अटल बिहारी वाजपेयी भवन* में कही। उन्होंने ने कहा कि लोकसभा चुनाव के निकट दिनों को देखते हुए राज्य भाजपा की संगठनात्मक सक्रियता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। पार्टी की इस सक्रियता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की आसमान छूती लोकप्रियता को देखते हुए मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दल अपना आपा खो चुके हैं। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि गुवाहाटी शहर में वातानुकूलित होटलों में बैठे ये नेता सही मायने में बड़े पैमाने पर अलग-थलग पड़ गए हैं। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा के खिलाफ झूठी सूचनाओं के साथ दुष्प्रचार और साजिशों में लिप्त है। प्रदेश भाजपा

प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार ने संविधान के दायरे में ऋण लेने की बात कहते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 292 और 293 के तहत राज्य सरकार को भारत सरकार की अनुमति से ही कर्ज मिलता रहा है। गौरतलब है कि असम सरकार द्वारा यह पैसा राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ही खर्च किए जाने से भविष्य में राज्य के आर्थिक विकास की दिशा और भी मजबूत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जो काम कांग्रेस सरकार पिछले 70 सालों की सत्ता में नहीं कर सकी, उसे भाजपा ने महज साढ़े नौ साल में पूरा कर दिया। देश की अर्थव्यवस्था आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ ही देश के रक्षा क्षेत्र ने मजबूत रूप ले लिया है। सेना देश में बने लड़ाकू उपकरणों का इस्तेमाल करने के साथ-साथ विदेशों में कार्रवाई भी कर रही है। भारत में विदेशी निवेश की संख्या बढ़ रही है। देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की स्थिरता के कारण युवाक खेल के क्षेत्र में नाम रोशन करने में सफल रहे हैं। देश के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय खेल मंच पर अधिक सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी गांधी परिवार के अलावा पार्टी के किसी भी नेता को सम्मान देती नहीं दिखी। कांग्रेस ने दूसरों का सम्मान करना नहीं सीखा। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार देश के हर हिस्से में सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक आदि विभिन्न क्षेत्रों के बुजुर्गों को उचित सम्मान दे रही है। हमारे गौरव के विश्व प्रसिद्ध कलाकार डॉ. भूपेन हजारिका को भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भाजपा के संस्थापकों में से एक लालकृष्ण आडवाणी, जेपी आंदोलन के नेता कर्पूरी ठाकुर, पूर्व प्रधानमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरसिंह राव, किसान नेता चौधरी चरण सिंह और भारतीय हरित क्रांति खनिक और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किया है। डॉ. शर्मा बरदलै ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी का एकमात्र एजेंडा गांधी परिवार की रक्षा करना है, न कि देश के लोगों की। इसलिए अब जब वे लोगों से अलग हो गए हैं, तो वे लोगों से दूर चले गए हैं। नेताओं ने बड़े सामाजिक, राजनीतिक अवसाद से पीड़ति होकर पार्टी छोड़ना शुरू करने दिया है।

गुवाहाटी हिट एंड रन मामले में युवक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने आज हिट एंड रन मामले में एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बीते 26 जनवरी की रात लगभग 8:30 बजे नरबहादुर थापा (54) को बशिष्ठ थाना अंतर्गत नालापाड़ा के पास एनएच-27 पर एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिससे व्यक्ति को गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घायल व्यक्ति को सड़क पर लावारिस हालत में छोड़कर संबंधित वाहन मौके से भागने में सफल रहा। इस संबंध में राजधानी के बशिष्ठ थाना में धारा 279/304(ए) आईपीसी के तहत केस संख्या 62/24 दर्ज किया गया। जांच के दौरान, यह पता चला कि संदिग्ध वाहन पर लाल/हरी बत्ती लगी हुई थी, जैसा कि पुलिस वाहनों में उपयोग किया जाता है। उसमें सायरन जैसे उपकरण भी लगे हुए थे। पुलिस को पता नहीं था कि ऐसे उपकरणों से सुसज्जित यह पुलिस वाहन था या कोई निजी वाहन। पुलिस ने अपनी जांच जारी रखी। अंततः एक निजी स्कॉर्पियो वाहन की संभावित संलिप्तता के बारे में सुराग मिला। तदनुसार, गुवाहाटी के दिसपुर स्थित छह माइल, वीआईपी रोड के रूपकोंवर पथ के अरिन कटकी (20) को आज गिरफ्तार कर लिया गया। गहन पूछताछ की गई, जिसके चलते हिरासत में लिए गए व्यक्ति ने अपराध कबूल कर लिया। जांच के दौरान प्राप्त जानकारी के आधार पर, पुलिस ने स्कॉर्पियो (काला) वाहन (एएस-01एफएफ-05555) को बरामद किया, जो 26 जनवरी को हिट एंड रन की घटना में शामिल था। गाड़ी को छह माइल में एक गैरेज में छिपाकर रखा गया था। हैरानी की बात तो यह है कि इस निजी स्कॉर्पियो गाड़ी पर *गवर्नमेंट ऑफ असम* लिखा था। वाहन पर लाल/हरी चेतावनी लाइटें और सायरन लगा हुआ पाया गया। जांच के दौरान, मामले में सबूतों को नष्ट करने और गैर इरादतन हत्या के लिए आईपीसी की धारा 201/304 यानी नई दंडात्मक धाराएं जोड़ी गईं। 20 वर्षीय आरोपित ड्राइवर अरिन कटकी वर्तमान में यूएसटीएम, मेघालय से बीए/एलएलबी कर रहा है। वह पूरी तरह से अनुशासनहीन जीवन जी रहा है। आरोपित के पिता प्रांजल कटकी (58), वर्तमान में वन संसाधन और सर्वेक्षण प्रभाग में सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) के रूप में तैनात हैं। प्रांजल कटकी के दोनों निजी वाहनों पर *असम सरकार* लिखा हुआ है। इस सिलसिले में कानूनी कार्रवाई की जा रही।

मिजोरम में 80 करोड़ रुपए का ड्रग्स और सुपारी जब्त

चम्पाई (हिंस)। मिजोरम पुलिस और असम राइफल्स ने 18 लाख रुपए की नकदी सहित करोड़ों रुपए के प्रतिबंधित ड्रग्स और बर्मीज सुपारी जब्त किए हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि मिजोरम के चम्पाई जिले में गत दो दिनों में पुलिस ने अभियान चलाकर करीब 80 करोड़ रुपए मूल्य की मादक मेथामफेटामाइन की गोलियां, हेरोइन और बर्मीज सुपारी जब्त की है। असम राइफल्स और जोखोवाथार पुलिस ने गुरुवार को भामकाओ लुई के पास एक संयुक्त अभियान में 3.452 किलोग्राम वजन की 30 हजार 300 मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त कीं। जब्त की गई गोलियों की कीमत 44 लाख 87 हजार 600 रुपए है। इस ड्रग्स की तस्करी में असम के करीमगंज जिला शहर के नतून बाजार निवासी हारिस उद्दीन नामक एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने हारिस उद्दीन के पास से 17,49,500 रुपए नकद भी जब्त किए हैं। ड्रग्स से ही हारिस की औरा गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है। इस बीच, चम्पाई पुलिस और असम राइफल्स ने मुवालकावी गांव के बाहरी इलाके में छापा मारा और एक टैक्सी से 605 ग्राम वजन के 50 हेरोइन पैकेट जब्त किए। जब्त हेरोइन की कीमत करीब 18.15 लाख रुपए है। लालरेम रूवाटा नामक तस्कर को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। एक अन्य अभियान में, पुलिस ने एक ट्रक से 40 बोरे बर्मीज सुपारी जब्त किए, जिसका बाजार मूल्य 6.40 लाख रुपए है। सुपारी की आपूर्ति पड़ोसी देश म्यांमार से की गई थी। सुपारी के साथ एफ

लालमालसामा को गिरफ्तार किया गया। इस बीच, खानकुन पुलिस चेक गेट पर छापे के दौरान, पुलिस ने एक ट्रक से बर्मीज सुपारी के 8 हजार किलोग्राम वजन के 100 बोरे जब्त किए। जिसकी कीमत 5.20 लाख रुपए है। पुलिस ने एक अन्य ट्रक से 100 बोरे बर्मीज सुपारी भी जब्त की है। पुलिस ने कहा कि सुपारी को म्यांमार से अवैध रूप से तस्करी किया गया था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बाद में सुपारी को चम्पाई कस्टम विभाग को सौंप दिया गया। मिजो पुलिस के अनुसार, इस साल एक जनवरी से चाम्पाई पुलिस ने 1 करोड़ 1 लाख 80 हजार मूल्य के 3.380 किलोग्राम हेरोइन, 1 करोड़ 96 लाख 97 हजार रुपए मूल्य की 15.152 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां, 31 करोड़ 15 लाख मूल्य के 10.385 किलोग्राम क्रिष्टल मेथ नामक नशीला पदार्थ और 80 करोड़ 60 लाख मूल्य की 45,195 बर्मीज सुपारी जब्त किया गया है।

विस बजट सत्र में आशा कर्मियों का अभी नहीं बढ़ेगा मानदेय : स्वास्थ्य मंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में घर-घर जाकर काम करने वाली आशा कर्मियों को मिलने वाले मानदेय में फिलहाल कोई बढ़ोतरी होने वाली नहीं है। आज असम विधानसभा के बजट सत्र के पांचवें दिन विधायक दिगंत बर्मन द्वारा इस सिलसिले में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री केशव महंत ने स्पष्ट उत्तर दिया कि फिलहाल केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को इस संदर्भ में कोई दिशा-निर्देश नहीं दिया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में फिलहाल 33 हजार 656 आशा कर्मी नियोजित हैं। इन कर्मियों को मानदेय के रूप में केंद्र सरकार की ओर से प्रत्येक माह दो हजार रुपए तथा राज्य सरकार की ओर से एक हजार रुपए, यानी कुल मिलाकर तीन हजार रुपए मासिक दिए जाते हैं। उल्लेखनीय है कि समय-समय पर आशा कर्मियों द्वारा सेवाएं नियमित करने तथा वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन किया जाता रहा है। कई बार सरकार द्वारा मौखिक आश्वासन के बावजूद इस दिशा में

कोई पहल अब तक नहीं किया जा सका है। मंत्री ने अपने उत्तर में कहा कि यह केंद्र सरकार द्वारा चालित एक योजना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत असम के स्वास्थ्य विभाग के अधीन ये आशा कर्मी अपनी सेवाएं दे रही हैं। हालांकि, उत्तर में यह भी कहा गया है कि उनकी सेवाओं को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के रूप में नियमित करने को लेकर अब तक केंद्र सरकार द्वारा कोई स्वीकृति नहीं दी गई है। इस दौरान मंत्री ने इससे संबंधित कई पूरक प्रश्नों के भी उत्तर दिए।

बीस मवेशी समेत चार पशु तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में अभियान चलाकर 20 मवेशियों को लेकर जा रहे एक वाहन को जब्त करने के साथ ही एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आज तड़के सुबह चार बजे जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में जोराबट पुलिस चौकी के पास चलाए गए अभियान के दौरान टैंकर (एएस-02सीसी-8143) को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहन में अवैध तरीके से 20 मवेशियों को नगांव जिले से मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामलों में चार पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार पशु तस्करों पहचान नूर मोहम्मद (24, नगांव), रियाज उद्दीन (32, नगांव), फरिदुल इस्लाम (32, नगांव) और नूर हुसैन (33, सामुगुड़ी) के रूप में की गई है। वहीं पुलिस ने अभियान के दौरान एक कार (एएस-02एएल-5089) को भी पशु तस्करों से जब्त किया है।

समिति ने फिर उठाया डाक विभाग में नौकरी का मुद्दा

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के डाक विभाग की संयुक्त कार्रवाई समिति ने राज्य सरकार से डाक नौकरियों के भर्ती नियमों में कार्यान्वयन के लिए राज्य की प्रमुख जनजातियों के घरेलू प्रमाणपत्रों और स्थानीय बोलियों के बारे में तुरंत कैबिनेट से मंजूरी लेने और राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित करने का आह्वान किया है। आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए जेएसीएफपीडीएफ के प्रवक्ता तार अटुंग ने बताया कि हाल ही में 6 फरवरी को जेएसीएफपीडीएफ ने केंद्रीय संचार, रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और विभाग के अधिकारियों से हमारे तीन बिंदुओं के संबंध में मुलाकात की जो ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) नौकरी में चयन प्रक्रियाओं के लिए अधिवास प्रमाण पत्र को शामिल करने, अरुणाचल प्रदेश राज्य में चयन प्रक्रियाओं में अरुणाचल प्रदेश की 23 प्रमुख जनजातियों की स्थानीय भाषा/बोली को शामिल करने की मांग शामिल है। मुलाकात के बाद हमें पता चला कि केंद्र सरकार और डाक विभाग हमारी मांगों को स्वीकार कर रही है और मंजूरी देने के लिए तैयार है, लेकिन उन्हें स्थानीय बोलियों के संबंध में राज्य सरकार से उचित अधिसूचना की आवश्यकता है। यदि राज्य सरकार गजट नोटिफिकेशन जारी कर दे तो केंद्र जीडीएस पद की भर्तियों में हमारी मांगों को शामिल कर भर्ती नियम में बदलाव कर सकता है। ऐसा होने पर राज्य के हजारों बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिल सकता है। राज्य सरकार द्वारा इस मुद्दे और हमारी मांगों पर अनदेखी के कारण यह मुद्दा अभी भी लंबित है, पिछले कई महीनों से हम सरकार को सुझाव दे रहे हैं और अपने युवाओं के कल्याण के लिए प्रतिनिधित्व प्रस्तुत कर रहे हैं, क्योंकि एक बार समस्या का समाधान हो जाने पर हजारों युवाओं को रोजगार मिल सकता है। जेएसीएफपीडीएफ के अध्यक्ष किपा कानम ने कहा कि केंद्र सरकार हमारी मांग का समर्थन कर रही है, राज्य की स्थानीय बोलियों पर राज्य सरकार की अनुशंसा का इंतजार कर रही है। ज्ञात हो कि हाल ही में डाक विभाग द्वारा अरुणाचल प्रदेश के लिए लगभग 2596 जीडीएस पद सृजित किए गए हैं, लेकिन भर्ती नियमों में गड़बड़ी के कारण हमारे राज्य के युवा लाभ लेने में विफल रहे, लेकिन मामले पर जेएसीपीडीएफ के हस्तक्षेप के बाद 12000 जीडीएस से अधिक पद अभी भी रुके हुए हैं। अगर डाक विभाग हमारी मांगों के अनुसार भर्ती नियमों में बदलाव करता है तो हमारे राज्य के युवाओं को मौका मिल सकता है। उन्होंने डाक विभाग से भी अपील की है कि समस्या का समाधान होने तक उक्त पद पर बने रहें। उन्होंने गांव बूढ़ा, पंचायत नेताओं और जनता से भी अपील की कि वे जीडीएस पद के संबंध में अपने संबंधित क्षेत्र में बाहरी व्यक्ति की सिफारिश न करें।

करीमगंज में एक ट्रक से पांच लाख का गांजा बरामद, एक गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। जिले के बजरीछड़ा पुलिस स्टेशन के तहत असम-त्रिपुरा अंतरराज्यीय सीमा पर चुराइबाड़ी में एक ट्रक से पांच लाख रुपए का गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने मिनी ट्रक के मालिक सह चालक व बिहार निवासी बलदेव राय को गिरफ्तार कर लिया है। चुराइबाड़ी पुलिस चौकी के प्रभारी प्रणब मिल्ली ने बताया कि शुक्रवार सुबह प्लास्टिक के सामान से लदा एक मिनी ट्रक त्रिपुरा से असम चेक गेट पहुंचा था। पुलिस टीम ने मिनी ट्रक की तलाशी ली। तलाशी के दौरान विभिन्न प्लास्टिक की सामग्रियों के साथ एक नई तकनीक से छिपाए गए कई पैकेटों से 51 किलोग्राम गांजा बरामद किया।

पेपर मिल को चलाने में किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई : उद्योग मंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के उद्योग मंत्री बिमल बोरा ने आज सदन को बताया कि असम स्टेट इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन (एआईडीसी) ने 16 नवंबर, 2022 को कछार पेपर मिल के पुनर्निर्माण के लिए एक निविदा जारी की थी, लेकिन किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। सरकार इस दिशा में कोशिश कर रही है लेकिन, अब तक इस पर कोई निवेश करने को तैयार नहीं है। वर्तमान में, सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए एक अनुकूल नीति अपनाई है। विभागीय मंत्री आज कांग्रेस विधायक भास्कर ज्योति बरुवा द्वारा असम विधानसभा के चालू बजट सत्र के पांचवें दिन राज्य में बंद पड़े सरकारी पेपर मिलों से संबंधित प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। विधायक ने सवाल उठाया कि असम के जागीरोड में स्थित नगांव पेपर मिल और पांचग्राम में स्थित कछार पेपर मिल- दोनों पेपर मिलें बंद हो गईं। नतीजतन, आज राज्य को बाहर से कागज खरीदना पड़ रहा है। राज्य में पेपर मिल उद्योग क्यों नहीं है? विधायक ने यह भी कहा कि कम-से-कम मिनी पेपर मिलें प्रदेश में स्थापित किए जाने चाहिए। विधायक द्वारा उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए राज्य के उद्योग मंत्री बिमल बोरा ने कहा कि दोनों पेपर मिलें हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधीन थीं। 2015 में जगीरोड में नगांव पेपर मिल और 2017 में कछार पेपर मिल बंद हो गई। बाद में दोनों फैक्ट्रियां बंद हो गईं, जिससे दोनों फैक्ट्रियों के श्रमिकों में निराशा का माहौल पैदा हो गया। बाद में हिंदुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मामले को समझौते के लिए एनसीएलटी (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) के पास भेज दिया। इसके बाद, 8 मार्च, 2022 को राज्य सरकार ने एआईडीसी (असम औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड) के तहत दो कारखानों को खरीदा और दोनों कारखानों के कर्मचारियों के लिए 798.75 करोड़ रुपए मंजूर किए।

रंगिया : श्रीमंत शंकरदेव संघ का 93वां वार्षिक अधिवेशन प्रारंभ

रंगिया (विभास)। सालभर की योजना और पिछले कई महीनों की व्यापक तैयारियों के बाद श्रीमंत शंकरदेव संघ का 93वां वार्षिक अधिवेशन शुक्रवार को तीनदिवसीय व्यापक कार्यक्रमों के साथ रंगिया के मोरानजना स्थित भोयरा हातीखोला पथार में शुरू हो गया। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के आदर्शों पर संचालित श्रीमंत शंकरदेव संघ के इस वार्षिक अधिवेशन में राज्य के विभिन्न हिस्सों से कई हजारों भक्तों की उपस्थिति देखी जा रही है। अधिवेशन की शुरुआत प्रातः पर्यावरण की सफाई, प्रातः प्रार्थना, नाम प्रसंग, वृक्षारोपण के पश्चात सेवा वाहिनी शिविर का उन्मोचन, मुख्य तोरण उन्मोचन, नाम घर के तोरण का उन्मोचन, प्रतिनिधि सभाकक्ष के तोरण का उन्मोचन,शरण समिति की बैठक, आदरणी समिति और मुख्य समिति के कार्यालय के तोरण का उन्मोचन, उप-समितियों के कार्यालय के तोरण का उन्मोचन, ग्रंथ मेला और प्रदर्शनी के तोरण का उन्मोचन, विशेष प्रतिनिधि शिविर के तोरण का उन्मोचन, रभा मंच के तोरण का उन्मोचन, मुख्य कार्य निर्वाहक सभा, भोजनालय के तोरण का उन्मोचन, ध्वजा बेदी के तोरण का उन्मोचन आदि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। वहीं दोपहर में स्मृति ग्रंथ *भकति सिन्धु* एवं अन्य कई पुस्तकों का लोकार्पण के अलावा विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुस्तक का विमोचन असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष कुलधर शैकिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीमंत शंकरदेव संघ के पदाधिकारी भवेंद्र नाथ डेका, भाजपा असम के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता, स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत, कृषि मंत्री अतुल बोरा और संघ के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार संध्या समय भी बहुत से कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सड़क हादसे में ग्राम रक्षा वाहिनी के सचिव की मौत

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिलांतर्गत तामरहाट के ग्राहमपुर में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। हादसा निर्माणाधीन नेशनल हाईवे 127 (बी) पर हुआ। सड़क हादसे में ग्राम रक्षा वाहिनी के सचिव की मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राहमपुर के ग्राम रक्षा वाहिनी के सचिव सेमियन हेम्ब्रोम के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात में गश्त कर रहे ग्राम रक्षा वाहिनी के सचिव को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर आज सुबह उत्तेजनापूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गयी। ग्राहमपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और शव को बरामद कर थाने ले गई। आशंका जताई जा रही है कि हादसा रात में डंपर की चपेट में आने की वजह से हुआ है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दिया है।

सिविक एक्सन के तहत केरिपु बल के 175वें बटालिन रानी का नव-निर्मित टॉयलेट ब्लॉक का उद्घाटन

गुवाहाटी। 175 वीं बटा., केरिपु बल, रानी (कामरूप) द्वारा सिविक एक्सन के तहत नवनिर्मित टॉयलेट ब्लॉक का उद्घाटन किया गया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल समय-समय पर अपने-अपने तैनाती के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के सामाजिक एवं जन कल्याणकारी कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रहती है। इसी क्रम में सिविक एक्सन कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 09/02/2024 को श्री राजीव कुमार झा, कमांडेंट, 175वीं वाहिनी ने खटियामारी, एम.भी, स्कूल, झारोबारी, कामरूप (ग्रामीण) (असम) में इस वाहिनी द्वारा स्कूल में शौचालय निर्माण करवाकर आज भव्य समारोह आयोजित कर उद्घाटन किया जिससे कि स्कूल में पढ़ाई कर रहे बच्चों, बालक, बालिकाओं एवं अध्यापकों को सुविधाओं का लाभ मिल सके। समारोह में उपस्थित अध्यापक, विद्यार्थी एवं जन समूह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि

राजीव कुमार झा, कमांडेंट-175 बटालियन केरिपु बल ने पुलिस व जनता के संपर्क को मजबूत बनाने व क्षेत्र के दूर-दराज व पिछड़े क्षेत्रों में 175वी बटा. द्वारा अपने क्षेत्र में समय-समय पर सिविक एक्सन कार्यक्रम के अंतर्गत भिन्न-भिन्न प्रकार के जन कल्याणकारी व समाज सेवा के कार्यक्रम आयोजित करते आ रही है जिसमें स्कूलों में क्लासरूम, टॉयलेट, बाथरूम की रिपेयर, रिनोवेशन, सोलर लाईट, खेल-कूद, पुस्तक, स्टेशनरी सामग्री वितरण, स्किल डेवलेपमेन्ट, कोचिंग कक्षाओं का आयोजन, साईकिल, यात्रि शेडों का निर्माण, मेडिकल चैकअप व दवाई वितरण इत्यादि पिछले वर्षों में करके स्थानीय जनता की मदद कर रही है। समारोह में उपस्थित बच्चों, अध्यापकों, स्थानीय नागरिकों के लिए अंत में बटालियन की तरफ से जलपान की व्यवस्था भी की गई। उपस्थित सभी लोगों ने 175 बटालियन के इस जन कल्याणरी व स्कूल के बच्चों विशेषकर बालिकाओं के लिये पीने की पानी की व्यवस्था हेतु प्रशंसा की। आज के आयोजन के अवसर पर स्कूल के सचिव तिलोक गोस्वामी, प्रधानाध्यापक चैबिन माली, खटियामारी, एम.भी, स्कूल, झारोबाड़ी के अन्य शिक्षक, विद्यार्थी, बच्चों के अभिभावक व स्थानीय नागरिकों के अलावा रानी व आस-पास के लोग व इस बटालियन के श्री मुन्ना सिंह (द्वितीय कमान अधिकारी), केएल धीमान (द्वितीय कमान अधिकारी), श्रीमती दीप्ती बुरले (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी), रवि कुमार श्रीवास्तव (उप कमांडेंट), जय प्रकाश कुमार (सहा. कमांडेंट), स्कूल के बच्चे, अध्यापक, अन्य अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

संपादकीया

दिमाग में चिप

प्रथम दृष्टया यह खबर चौंकाती है कि इंसान के दिमाग में कृत्रिम चिप का प्रत्यारोपण सफलता पूर्वक किया गया है। विज्ञान के जरिये मानव कल्याण के क्षेत्र में किये गये हर शोध-अनुसंधान का स्वागत ही किया जाना चाहिए। लेकिन संवेदनशील मस्तिष्क में चिप लगाने के क्रम में इंसान के रोबट बन जाने की आशंकाएं भी निर्मूल नहीं हैं। ध्यान रहे कि यह प्रत्यारोपण किसी सरकारी चिकित्सा शोध संस्थान या विश्वविद्यालय में नहीं हुआ है। यह प्रत्यारोपण दुनिया के सबसे अमीर शख्सों में शुमार एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने किया है। वही मस्क जिन्होंने ट्विटर खरीदने और उसे एक्स में तब्दील करने के क्रम में कर्मचारियों की निर्ममता से छंटनी की थी। वही मस्क जो विश्व के अरबपतियों को अंतरिक्ष में सैर-सपाटा कराने के अलावा दुनिया के तमाम बड़े मुनाफे के कारोबार में लगे हुए हैं। जाहिर है मस्तिष्क में चिप लगाने का प्रयोग उनके बाजार के गणित का ही हिस्सा है। बहरहाल, अभी चिप लगाने की शुरुआत हुई है। आम लोगों तक इसका लाभ पहुंचने में दशकों लग सकते हैं। वहीं इसके प्रत्यारोपण की प्रक्रिया इतनी खर्चीली होगी कि शायद ही आम आदमी के हिस्से में कभी इसका लाभ आ सके। बहरहाल, हर नये अनुसंधान व शोध का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन यह सवाल मानवीय बिरादरी के लिये हमेशा मंथन का विषय रहेगा कि विज्ञान की खोज मानवता की संहारक न बने। जैसे अल्फ्रेड नोबेल को अपने डायनामाइट के आविष्कार के संहारक होने का अपराध बोध हुआ। उन्होंने इसके चलते विश्व शांति व मानवता को समृद्ध करने वाले विभिन्न विषयों की प्रतिष्ठा के लिये अपनी कमाई से कालांतर नोबेल प्राइज की शुरुआत की थी। बहरहाल, शुरुआती संकेत बताते हैं कि इंसानी दिमाग में चिप लगाने का प्रयास सफल रहा है। इस प्रयोग से इंसानी जीवन में विज्ञान व तकनीक की भूमिका के नये अध्याय की शुरुआत मानी जा सकती है। यह मानव कल्याण के लिये वरदान भी साबित हो सकती है बशर्ते यह निर्मम बाजार का हथियार न बने। वैसे ऐसा भी नहीं है कि न्यूरालिंक इस तकनीक का प्रयोग सफलतापूर्वक करने वाली पहली कंपनी है। इससे पहले इस कंपनी की प्रतिस्पर्धी कंपनी ब्लैकरॉक न्यूरोटेक भी इंसान के दिमाग में चिप प्रत्यारोपण का सफल प्रयोग कर चुकी है। कहा जा रहा है कि इसका लाभ उन लोगों को होगा जो जन्मजात या किसी दुर्घटना तथा बीमारी के चलते अपने कुछ अंगों से वंचित हैं। चिप लगाने के बाद इन लोगों के महज सोचने भर से फोन, कंप्यूटर आदि निर्देशों का पालन करने लगेंगे। किसी बीमारी के चलते किसी व्यक्ति के निष्क्रिय अंग सक्रिय हो सकेंगे। विशेष रूप से मानसिक रोगों, मसलन पार्किंसन व भूलने की बीमारी अल्जाइमर में यह चिप कारगर हो सकती है। इतना ही नहीं अवसाद व विभिन्न लतों से मुक्ति दिलाने में भी इसे सहायक बताया जा रहा है। लेकिन आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये यदि इंसान के दिमाग पर ऐसी चिप के जरिये नियंत्रण के नकारात्मक प्रयास होने लगें तो निस्संदेह, स्थिति खासी विकट हो सकती है। निश्चित रूप से किसी व्यक्ति के दिमाग का मामला बेहद संवेदनशील होता है। यही वजह है कि कुदरत की बनायी जटिल दिमागी प्रक्रिया से छेड़छाड़ या कहें सर्जरी से आधुनिक चिकित्सा भी परहेज करती है। यहां यह भी सवाल कायम रहेगा कि चिप कितने समय तक काम करती रहेगी। यानी कितने समय तक यह चिप इंसान के कुदरती दिमाग से साम्य बना सकेगी। अभी यह प्रयोग शुरुआती दौर में है और कहना मुश्किल है कि इससे वास्तविक लाभ कितना होता है।

इंसान के दिमाग में कृत्रिम चिप का प्रत्यारोपण सफलता पूर्वक किया गया है। विज्ञान के जरिये मानव कल्याण के क्षेत्र में किये गये हर शोध-अनुसंधान का स्वागत ही किया जाना चाहिए। लेकिन संवेदनशील मस्तिष्क में चिप लगाने के क्रम में इंसान के रोबट बन जाने की आशंकाएं भी निर्मूल नहीं हैं। ध्यान रहे कि यह प्रत्यारोपण किसी सरकारी चिकित्सा शोध संस्थान या विश्वविद्यालय में नहीं हुआ है। यह प्रत्यारोपण दुनिया के सबसे अमीर शख्सों में शुमार एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने किया है। वही मस्क जिन्होंने ट्विटर खरीदने और उसे एक्स में तब्दील करने के क्रम में कर्मचारियों की निर्ममता से छंटनी की थी। वही मस्क जो विश्व के अरबपतियों को अंतरिक्ष में सैर-सपाटा कराने के अलावा दुनिया के तमाम बड़े मुनाफे के कारोबार में लगे हुए हैं। जाहिर है मस्तिष्क में चिप लगाने का प्रयोग उनके बाजार के गणित का ही हिस्सा है। बहरहाल, अभी चिप लगाने की शुरुआत हुई है। आम लोगों तक इसका लाभ पहुंचने में दशकों लग सकते हैं। वहीं इसके प्रत्यारोपण की प्रक्रिया इतनी खर्चीली होगी कि शायद ही आम आदमी के हिस्से में कभी इसका लाभ आ सके। बहरहाल, हर नये अनुसंधान व शोध का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन यह सवाल मानवीय बिरादरी के लिये हमेशा मंथन का विषय रहेगा कि विज्ञान की खोज मानवता की संहारक न बने। जैसे अल्फ्रेड नोबेल को अपने डायनामाइट के आविष्कार के संहारक होने का अपराध बोध हुआ।

देश को आजादी मिलने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन जाएगा

यूसीसी पर उत्तराखंड ने जो सार्थक पहल की है उससे दूसरे राज्यों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए

ललित गर्ग

आजादी के अमृतकाल में समानता की स्थापना के लिये इससे अपूर्व वातावरण निर्मित होगा। यह उत्तराखण्ड ही नहीं, समूचे भारत की बड़ी जरूरत है। समानता एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकतांत्रिक मूल्य है। इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये समान कानून की अपेक्षा है। यूसीसी देश की राजनीति के सबसे विवादित मुद्दों में रहा है। हालांकि संविधान में भी नीति निर्देशक तत्वों के रूप में इसका उल्लेख है।

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने समान आचार संहिता (यूसीसी) के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी और इसे विधानसभा में पेश भी कर दिया। अब चार दिनों के विशेष सत्र में इसे आसानी से पारित भी कर दिया जायेगा। इस तरह देश को आजादी मिलने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन जाएगा। इससे पहले गोवा में यह लागू है। आजादी के अमृतकाल में समानता की स्थापना के लिये इससे अपूर्व वातावरण निर्मित होगा। यह उत्तराखण्ड ही नहीं, समूचे भारत की बड़ी जरूरत है। समानता एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकतांत्रिक मूल्य है। इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये समान कानून की अपेक्षा है। यूसीसी देश की राजनीति के सबसे विवादित मुद्दों में रहा है। हालांकि संविधान में भी नीति निर्देशक तत्वों के रूप में इसका उल्लेख है। इस लिहाज से राजनीति की सभी धाराएं इस बात पर एकमत रही हैं कि देश में सभी पंथों, आस्थाओं से जुड़े लोगों पर एक ही तरह के कानून लागू होने चाहिए। राष्ट्र का कोई भी व्यक्ति, वर्ग, सम्प्रदाय, जाति जब-तक कानूनी प्रावधानों के भेदभाव को झेलेगा, तब तक राष्ट्रीय एकता, एक राष्ट्र की चेतना जागरण का स्वप्न पूरा नहीं हो सकता। उत्तराखण्ड एवं गोवा के बाद असम और गुजरात जैसे राज्य भी समान आचार संहिता को लागू करने की तैयारी में हैं। भारतीय जनता पार्टी एवं नरेन्द्र मोदी सरकार यूसीसी लागू करने की मांग जोरदार तरीके से करती आ रही है और इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया है। भारतीय न्यायपालिका की तरफ से भी बार-बार इसे लागू करने की जरूरत बताई जा रही है। ऐसे में यह माना जा सकता है कि देश में इसे लेकर जागरूकता हाल के दिनों में बढ़ी है और इसका श्रेय भाजपा को दिया जाना चाहिए। समान नागरिक संहिता दरअसल एक देश एक कानून की अवधारणा पर आधारित है। यूनिफॉर्म सिविल कोड के अंतर्गत देश के सभी धर्मों, पंथों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून की व्यवस्था का प्रस्ताव है। भारत के विधि आयोग ने राजनीतिक रूप से अतिसंवेदनशील इस मुद्दे पर देश के तमाम धार्मिक संगठनों से सुझाव आमंत्रित किए थे। यूसीसी में संपत्ति के अधिग्रहण और संचालन, विवाह, उत्तराधिकार, तलाक और गोद लेना आदि को लेकर सभी के लिए एकसमान कानून बनाया जाना है। पिछले कुछ समय से इस पर अच्छी खासी बहस चली है। लिहाजा एक-एक करके अलग-

अलग राज्यों में इसे लागू करने और वहां के अनुभव के आधार पर आगे बढ़ने का ख्याल गलत नहीं कहा जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि उत्तराखण्ड विधानसभा में इसे पेश किए जाने और वहां बहस शुरू होने के बाद इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर रोशनी पड़ेगी और सभी दुविधाएं, शंकाएं एवं संदेह दूर हो जाएंगे। जो अन्य राज्यों के लिये लागू करने का आधार बनेगी। भारतीय संविधान के मुताबिक भारत एक धर्म-निरपेक्ष देश है, जिसमें सभी धर्मों व संप्रदायों (जैसे- हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, आदि) को मानने वालों को अपने-अपने धर्म से सम्बन्धित कानून बनाने का अधिकार है। भारत में दो प्रकार के पर्सनल लॉ हैं। पहला है हिंदू मैरिज एक्ट 1956 जो कि हिंदू, सिख, जैन व अन्य संप्रदायों पर लागू होता है। दूसरा, मुस्लिम धर्म को मानने वालों के लिए लागू होने वाला मुस्लिम पर्सनल लॉ। ऐसे में जबकि मुस्लिमों को छोड़कर अन्य सभी धर्मों व संप्रदायों के लिए भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत बनाया गया हिंदू मैरिज एक्ट 1956 लागू है तो मुस्लिम धर्म के लिए भी समान कानून लागू होने की बात की जा रही है, जो प्रासंगिक होने के साथ नये बन रहे भारत की अपेक्षा है। अभी मीडिया में छन-छन कर जो सूचनाएं आ रही हैं, उनके मुताबिक शादी, तलाक, अडॉप्शन से जुड़े कानूनों में एकरूपता के जो प्रावधान हैं, वे यूसीसी की मूल अवधारणा के अनुरूप ही हैं। बहरहाल, उत्तराखण्ड राज्य सरकार की यह एक बड़ी पहल है और इस पर अमल की प्रक्रिया ही नहीं, इसके नतीजों पर भी पूरे देश की नजरें रहेंगी। आज जबकि भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, जी-20 देशों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर चुका है, भारत की अहिंसा एवं योग को दुनिया ने स्वीकारा है, विश्व योग दिवस एवं विश्व अहिंसा दिवस जैसे आयोजनों की संरचना हुई है। इन सब सकारात्मक स्थितियों को देखते हुए भारत की कानून विषयक विसंगतियों को दूर करना अपेक्षित है। क्योंकि विश्व के कई देशों में समान नागरिक संहिता का पालन होता है। इन देशों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया, सूडान, मिस्र, अमेरिका, आयरलैंड, आदि शामिल हैं। इन सभी देशों में सभी धर्मों के लिए एकसमान कानून है और किसी धर्म या समुदाय विशेष के लिए अलग कानून नहीं हैं। लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता एवं वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन को तार-तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं-कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं। सामुदायिक घटनाओं को भी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है। देश का मुस्लिम भी समाज का एक हिस्सा है, जिसे इसी रूप में प्रस्तुत करने की परिपाटी चलन में आ जाए तो भेद करने वाले विचारों पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को ऐसे भ्रम में रखने के लिए प्रेरित किया कि वह भी ऐसा ही चिंतन करने लगा, जबकि सच्चाई यह है कि आज के मुसलमान बाहर से नहीं आए, वे भारत के ही हैं। परिस्थितियों के चलते उनके पूर्वज मुसलमान बन गए। वे सभी स्वभाव से आज भी भारतीय हैं और विचार से सनातनी हैं, लेकिन देश के राजनैतिक दल अपने राजनीतिक लाभ एवं वोट बैंक के चलते मुसलमानों के इस सनातनी भाव को प्रकट करने का अवसर नहीं दे रहे। मुस्लिम पर्सनल लॉ में अनेक विसंगतियां हैं, जैसे शादीशुदा मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी को महज तीन बार तलाक कहकर तलाक दे सकता था। इसके दुरुपयोग के चलते सरकार ने इसके खिलाफ कानून बनाकर जुलाई 2019 में इसे खत्म कर दिया है। तीन तलाक बिल पास होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सदियों से तीन तलाक की कुप्रथा से पीड़ित मुस्लिम महिलाओं को न्याय मिला है। वर्तमान में हम देख रहे हैं कि कुछ लोग समान नागरिक कानून का विरोध कर रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज की महिलाएं इस कानून के समर्थन करने के लिए आगे आ रही हैं। 1985 में शाहबानो केस के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड का मामला सुर्खियों में आया था। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के बाद शाहबानो के पूर्व पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था।

दृष्टि कोण

समान नागरिक संहिताः प्रगतिशील समाज के लिए जरूरी पहल, इसमें निहित हैं व्यापक हित

उत्तराखंड सरकार ने विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया है। जानकारी के अनुसार, इसमें सभी नागरिकों के कल्याण के लिए एक जैसे कानून का प्रस्ताव है। हलाला तथा तीन तलाक जैसी अमानवीय प्रथाओं को प्रतिबंधित कर दिया गया है। सभी धर्मों की तलाकशुदा महिलाओं के लिए समान रूप से भरण-पोषण की व्यवस्था की गई है। सभी लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष कर दी गई है। लिव-इन संबंधों के कारण अक्सर विवाद और हिंसा की खबरें आती रहती हैं। इससे निपटने के लिए उनका पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है। बहुपत्नी प्रथा को समाप्त करके सभी के लिए केवल एक विवाह का नियम प्रस्तावित है। संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता की स्पष्ट व्यवस्था के बावजूद सरकारें इस दिशा में आगे कदम बढ़ाने से हिचकती रहीं। संविधान का अनुच्छेद 44 सबसे अधिक दुष्प्रचारित हिस्सों में से एक है। इस उपबंध के साथ बहुत अन्याय हुआ है। इसमें देश के सभी नागरिकों के लिए एक जैसा कानून बनाने की बात कही गई है। इसमें सरकार से अपेक्षा की गई है कि वह लिंग, क्षेत्र, भाषा की परवाह किए बगैर सभी के लिए एक जैसा कानून बनाए, जो मानवीय गरिमा का सम्मान करे, उसे सुरक्षा बोध दे और सभ्य समाज के मानकों पर खरा भी उतरे। दुर्भाग्यवश अनुच्छेद 44 की इस पवित्र मंशा को आगे बढ़ाने, उस पर तार्किक बहस करने

के बजाय उसे सांप्रदायिक रूप देकर अछूत बना दिया गया। सुप्रीम कोर्ट का आग्रह बेकार गया। यह दस्तूर आज भी कायम है। संविधान निर्माताओं ने महसूस किया कि विवाह और भरण-पोषण से जुड़े मामलों का संबंध किसी पूजा-पद्धति से नहीं है, बल्कि इसका संबंध इंसानियत से है। निःसंतान व्यक्ति यदि किसी बच्चे को गोद लेकर अपनी वंश-परंपरा को आगे बढ़ाना चाहता है या उससे उसको सुरक्षा बोध का एहसास होता है, तो उससे किसी पूजा-पद्धति की अवमानना कैसे हो सकती है? यदि किसी कानून से किसी महिला को सामाजिक सुरक्षा मिलती है या पति से अलग होने या पति के नाराज होने के बाद उसे दर-बदर भटकने के बजाय गुजारे-भत्ते की व्यवस्था की जाती है, तो इसमें उसका धर्म कहां से आड़े आता है? महिला-पुरुष के वैवाहिक संबंधों में यदि समानता सुनिश्चित की जाती है, तो इससे किसी भी सभ्य समाज को शर्मिंदगी नहीं, अपितु गर्व होना चाहिए। आजादी के बाद हिंदू विधि में व्यापक परिवर्तन किए गए। हिंदू विवाह अधिनियम द्वारा बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाया गया। पति-पत्नी को विवाह-विच्छेद करके सम्मानपूर्वक एक-दूसरे से अलग रहने का अधिकार दिया गया। महिलाओं को भरण-पोषण का अधिकार दिया गया। पिता की संपत्ति में बेटियों को भी अधिकार देने की परंपरा शुरू हुई। संतान को गोद लेने के मामलों में भी पति के एकाधिकार को तोड़ते हुए महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की कोशिश की गई। हिंदू कानून में किए गए सुधारों में मानवाधिकारों और समानता के सिद्धांतों की तरजीह दी गई। पर वोट बैंक खिसकने की स्वार्थी सोच के कारण दूसरी जगहों पर ऐसा नहीं हो सका और उन्हें बेहतरी के मौके से लगातार वंचित रखा गया। आधुनिक सोच का लाभ दूसरे मतावलंबियों को भी हासिल हो, इसके लिए अदालतें लगातार कोशिश करती रही हैं। मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो मामले (1985) में सुप्रीम कोर्ट ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह खेद का विषय है कि अनुच्छेद 44 में तय राज्य की जिम्मेदारी अब निर्जीव शब्द समूहों का संग्रह बनकर रह गई है। अदालत ने कहा कि मुस्लिम समाज को इस मामले में पहल करने की जरूरत है, ताकि प्रगति की दौड़ में वे दूसरों से पीछे न रहें। हैरानी की बात यह है कि शाहबानो के जिस मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट ने लोगों से आगे बढ़ने की पहल का आह्वान किया, उसके दुष्प्रचार ने समान नागरिक कानून की पहल को सबसे मर्मांतक चोट पहुंचाई। उसके बाद सरला मुद्गल तथा लिली थॉमस जैसे कई प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायालय ने समान नागरिक कानून के नहीं होने के दोषों को उजागर करते हुए इसका तुरंत क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया। वैवाहिक मामलों में वैयक्तिक विधि के दुरुपयोग से विचलित होकर अदालत ने कहा कि अब तो इसका दुरुपयोग कानून को धोखा देने के लिए होने लगा है। जब वैवाहिक साथी से छुटकारा पाना हो, तो कुछ समय के लिए अपना धर्म बदलकर दूसरी शादी कर ली, क्योंकि दूसरे धर्म से जुड़े कानून में उसे मान्यता दी गई है। उसके बाद अपनी मर्जी से तलाक देकर उस महिला से छुटकारा पा लिया, क्योंकि उस धर्म का कानून इसकी इजाजत देता है। सुप्रीम कोर्ट और कई विद्वानों ने इसी कमी की ओर बार-बार इशारा किया, पर हमारे राजनीतिक नेतृत्व के ऊपर इसका कोई असर नहीं पड़ा। प्रो ताहिर महमूद ने अपनी पुस्तक मुस्लिम पर्सनल लॉ (1977) में तथा न्यायमूर्ति एमएच बेग ने इम्पैक्ट ऑफ सेक्यूलरिज्म (1973) में भी संविधान के अनुच्छेद 44 को अमली जामा पहनाने का आह्वान किया, किंतु शाहबानो प्रकरण के दुःस्वप्न से अब भी कोई उबरने को तैयार नहीं है। समाज के व्यापक हितों के मद्देनजर समाज के पंथनिरपेक्ष हित चिंतकों को आगे बढ़कर इस दिशा में पहल करने की जरूरत है, ताकि हम एक प्रगतिशील समाज के रूप में एकजुट हो सकें।

कुछ अलग

आत्मनिर्भरता का पहला पाठ

आज कल लोग अपनी और अपने मन की बात नहीं करते बल्कि दूसरों के मन की बातें इधर-उधर फेंकते रहते हैं। इनमें न तो फेंकने वाले का ध्यान होता है और न ही ज्ञान। अगर आपने सहानुभूति प्राप्त करने की आशा से किसी को मेसेज किया कि मुझे आज लूज मोशन हो रहे हैं तो उत्तर आ सकता है- वंडरफुल।अब बताइए इसमें क्या वंडरफुल है।किसी को भी हो सकती है यह व्याधि। किसी को अधिक मात्रा में पौष्टिक पदार्थ खाने से तो किसी निर्धन को भूखे पेट ज्यादा पानी पी लेने से। हम तो साधारण आदमी हैं भगवान बुद्ध को भी कहते हैं अंत काल में पेचिश हो गई थी जिसमें बार बार जाना पड़े और उपलब्धि लगभग शून्य। निष्कासित पदार्थ की मात्रा की अधिकता की अपेक्षा बार बार शौचालय जाने आने में शक्ति के अपव्यय से घुटने टूट जाते हैं। हम पतले दस्त को 'लूज मोशन' लिख रहे हैं क्योंकि लेखन में अश्लील को श्लील बनाने के लिए या तो संस्कृत के शुद्ध शब्द चाहियें या फिर अंग्रेजी के। जनता की बोली में बोलने से भाषा गंदी हो जाति है। बेचारे नीतीश कुमार को विधान सभा में ऐसे ही जनसंख्या वृद्धि के बारे में जनभाषा बोलने के कारण सांस्कृतिक पार्टी के द्वारा ट्रोल होना पड़ा। पीछा छुड़ाने के लिए अंत में पार्टी ही बदलनी पड़ी। हमें कल किसी ने संसद में अपनी नाक में अंगुली डालकर सफाई करते हुए गृहमंत्री अमित शाह जी की एक छोटी सी क्लिप फॉरवर्ड कर दी। चूंकि आजकल भारत में राष्ट्रभक्ति, धर्म, संस्कृति, हिन्दुत्व, चाल, चेहरा और चरित्र का वाइरल बुखार फैला हुआ है इसलिए हमने इसे गंभीरता से लिया और आते ही तोताराम को वीडियो दिखाकर पूछा- यह क्या है? बोला- क्यों? तुझे साफ दिखाई नहीं देता? अभी तो मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाने वाले डाक्टर को पूरा भुगतान भी नहीं किया है। चलते हैं, अभी तो लेंस का गारंटी पीरियड चल रहा होगा। हमने कहा- शिक्षा, चिकित्सा, न्याय और सेवा में कोई गारंटी नहीं होती। अगर विद्यार्थी फेल हो जाए, मरीज मर जाए, आप केस हार जाएँ, बैंक में 15 लाख रुपए और अच्छे दिन कभी न आयें तो भी आप स्कूल, डाक्टर, वकील और प्रधानमंत्री के खिलाफ कहीं फ़रियाद नहीं कर सकते, किसी की कोई जिम्मेदारी नहीं। तो जिसने आँखों का ऑपरेशन किया था वही हमें कौन रसीद देने वाला है। वैसे हमें देखने में कोई समस्या नहीं है। बोला- तो फिर इसमें क्या यशोदा की तरह बालकृष्ण में मुँह में ब्रह्मांड देखना है या चंपत राय की तरह मोदी जी में विष्णु के दर्शन करने हैं। ये भारत के गृहमंत्री, देश के चाणक्य श्री अमित शाह हैं।

हमने फिर पूछा- लेकिन कर क्या रहे हैं? बोला- अपनी नाक में अंगुली कर रहे हैं।

हमने कहा- तो क्या यह अच्छी बात है? बोला- बुरी बात भी क्या है? अपनी नाक में अंगुली कर रहे हैं। वे गृहमंत्री हैं वे देश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए चाहें तो किसी और को भी अंगुली कर सकते हैं। और फिर अंगुली करने क्या पाकिस्तान जाएंगे? मुसलमानों की बात और है वे हिजाब पहनने, मांस खाने, मस्जिद बनाने, नमाज पढ़ने के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। दुनिया में 50 से ज्यादा मुस्लिम देश हैं वहाँ जा सकते हैं। लेकिन एक हिन्दू के लिए कोई विकल्प नहीं है। उसके लिए तो जीना यहाँ, मरना यहाँ, इसके सिवा जाना कहाँ।

हमने कहा- लेकिन अजीब नहीं लगता? बोला- तो क्या संसद में राष्ट्रहित में चल रही महत्वपूर्ण चर्चा को छोड़कर इस जरा से काम के लिए बाहर चले जाएं? या यह काम किसी और से करवाएं? अगर किसी और से यह काम करवाएं तो भी तुम लोग यही कहोगे कि जो व्यक्ति अपनी नाक खोदने तक में स्वावलंबी नहीं है वह 'आत्मनिर्भर भारत' कैसे बनाएगा? लेकिन तुझे पता होना चाहिए कि खुदाई से ही सभी आवश्यक और मूल्यवान पदार्थ प्राप्त होते हैं। गहरे कुएं में पानी मीठा होता है।

देश दुनीया से

सही दिशा में छोटा कदम, पूरे देश के लिए साबित हो सकता है नजीर

संविधान की शुरुआत 'सत्यमेव जयते' से होती है, जहां सारनाथ का सिंह कानून के शासन के महत्व को दर्शाता है। गणतंत्र के 75 साल बाद भी यूसीसी पर चल रहे असमंजस को संविधान में उकेरे गए पौराणिक आख्यानों से समझा जा सकता है। संविधान सभा में के. एम. मुंशी जैसे सदस्यों की बात मानकर अगर यूसीसी को मूल अधिकार वाले अध्याय में शामिल किया जाता, तो यह कानून सभी के लिए बाध्यकारी हो जाता। मूल अधिकार वाले अध्याय-3 में रावण को पराजित करने के बाद लौट रहे राम-लक्ष्मण और सीता के साथ अधर्म पर धर्म की जीत का चित्र है।

संविधान के प्रावधानों को साकार करते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर कानून बनाने की ऐतिहासिक पहल की है। संविधान की शुरुआत 'सत्यमेव जयते' से होती है, जहां सारनाथ का सिंह कानून के शासन के महत्व को दर्शाता है। गणतंत्र के 75 साल बाद भी यूसीसी पर चल रहे असमंजस को संविधान में उकेरे गए पौराणिक आख्यानों से समझा जा सकता है। संविधान सभा में के. एम. मुंशी जैसे सदस्यों की बात मानकर अगर यूसीसी को मूल अधिकार वाले अध्याय में शामिल किया जाता, तो यह कानून सभी के लिए बाध्यकारी हो जाता। मूल अधिकार वाले अध्याय-3 में रावण को पराजित करने के बाद लौट रहे राम-लक्ष्मण और सीता के साथ अधर्म पर धर्म की जीत का चित्र है। लेकिन नजीरुद्दीन अहमद जैसे सदस्यों के विरोध की वजह से इसे मार्गदर्शक सिद्धांत वाले अध्याय-4 में डाला गया। जहां कुरुक्षेत्र में श्रीकृष्ण गीता के उपदेश से अर्जुन के मोह को हरने की कोशिश करके कर्म के लिए प्रेरित कर रहे हैं। संविधान में स्त्री और पुरुष, दोनों को बराबरी से चुनावों में वोट डालने का अधिकार है। सभी धर्मों के स्त्री और पुरुषों के लिए आपराधिक कानून भी समान हैं। लेकिन शादी, तलाक, बच्चे और संपत्ति से जुड़े सिविल मामलों में धर्म के आधार पर महिलाओं के साथ भेदभाव होना दुर्भाग्यपूर्ण है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद की बातों पर अमल करते हुए वर्ष 1956 में हिंदू कोड बिल के साथ मुस्लिम समुदाय के लिए भी कानून बनना चाहिए था। वर्ष 1985 में शाहबानो मामले के बाद भी इस बारे में ठोस कदम उठाया जा सकता था। उसके बजाय तुष्टीकरण नीति के तहत सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने से कट्टरपंथी ताकतों को बढ़ावा ही मिला। इंडोनेशिया, बहरीन, तुर्किये और लेबनान जैसे कई मुस्लिम देशों में आधुनिक कानून लागू हैं, तो फिर भारत में ओवैसी जैसे कट्टरपंथी नेताओं द्वारा धर्म के आधार पर यूसीसी के विरोध को प्रधानता क्यों मिलनी चाहिए? पर्सनल लॉ के नाम पर रजस्वला होने के बाद नाबालिग मुस्लिम लड़कियों की शादी का समर्थन करने वालों को शरीयत ऐक्ट की धारा 3-बी पढ़ने की जरूरत है। कॉन्ट्रैक्ट ऐक्ट की धारा-11 के तहत ऐसे अनुबंध में दोनों पक्षों का सक्षम यानी बालिग होना जरूरी है। इसलिए शरीयत ऐक्ट की आड़ में नाबालिग मुस्लिम बच्चों की शादी गलत है। सियासी बवाल और धार्मिक विरोधाभास के साथ कई कानूनी चुनौतियां भी हैं। पहला, लिव-इन के दौर में बहु-विवाह पर प्रभावी रोक कैसे लगेगी? प्रस्तावित कानून में लिव-इन में रहने की स्वघोषणा के साथ अभिभावकों को सूचना देने का प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले और कानून के बावजूद सभी शादियों के रजिस्ट्रेशन के नियमों का पालन नहीं हो रहा, तो फिर लिव-इन के दौर में शादी और तलाक के मामलों का निर्धारण कैसे होगा? दूसरा, देश के कानून के अनुसार, शादी के लिए न्यूनतम उम्र लड़कियों के लिए 18 साल और लड़कों के लिए 21 साल है। लड़कियों की शादी की उम्र 18 से 21 साल करने पर संसद में कई साल से सिर्फ मंथन हो रहा है। उत्तराखंड में

पूर्व जज की कमेटी ने भी माना है कि बाल-विवाह के पीछे अशिक्षा और गरीबी बड़ी वजह है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, नाबालिग बच्चों के सहमति से बने संबंधों को अपराध के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। इसलिए लड़कियों की उम्र को बढ़ाने के बजाय लड़कों की शादी की न्यूनतम उम्र को भी 18 साल करने पर विचार होना चाहिए। इससे लैंगिक समानता के साथ कानून-पालन का भाव बढ़ेगा। तीसरा, कुछ लोग यूसीसी को जनसंख्या विस्फोट से निपटने का कारगर उपाय मानते हैं। भारत में कई दशकों से जनसंख्या नियंत्रण पर सिर्फ कानून बनाने की बात हो रही है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि अगले 10 वर्षों में कामकाजी आबादी कम होने के साथ बूढ़ों की तादाद भी बढ़ जाएगी। यूसीसी के तहत लिव-इन से पैदा होने वाले नाजायज बच्चों को भी कानूनी अधिकार मिलेंगे। सरोगेसी के तहत भी लोग बच्चे पैदा करते हैं। इन नई चुनौतियों के बीच दो बच्चों की नीति पर प्रभावी अमल कैसे होगा? उत्तराखंड के अलावा, मध्य प्रदेश और गुजरात में भी ऐसी पहल हो रही है। समवर्ती सूची में यूसीसी से जुड़े अनेक मामलों पर संसद ने कानून बनाए हैं। कई विषयों पर कानून बनने की जोरों से बात हो रही है। इसलिए उत्तराखंड विधानसभा में पारित होने के बाद राज्यपाल इसे केंद्रीय गृह मंत्रालय और राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेज सकते हैं। सियासत के नजरिये से राज्यों में कानून बनाना लाभकारी हो सकता है, लेकिन कई राज्यों में मनमाने तरीके से कानून निर्माण से गलत मिसाल के साथ सांविधानिक अराजकता भी बढ़ सकती है।

आप का नजरीया

छोटे चौधरी का बड़ा खेला, इंडी गठबंधन की डूबती नाव से कूदने के लिए लगा है रेला

विपक्ष के इंडी गठबंधन की नाव डूबती देख इस पर सवार राजनीतिक दलों में कूद कर अपनी जान बचाने की होड़ देखने को मिल रही है। इंडी गठबंधन की नाव को जिन नीतीश कुमार ने तैयार किया था वही सबसे पहले यहां से दूसरी तरफ कूद गये जिससे नाव का संतुलन गड़बड़ा गया। मौका देख ममता बनर्जी ने भी इस नाव से दूरी बना ली और अब राष्ट्रीय लोक दल भी इससे कूदने के लिए पूरी तरह तैयार है। आम आदमी पार्टी भी इंडी गठबंधन की नाव से कूदने के लिए अपना सामान समेट रही है। इस गठबंधन में अब जो दल बचे हैं वह या तो आपस में ही लड़ रहे हैं या उन दलों के भीतर ही भितरघात देखने को मिल रही है जिसके चलते किसी का चुनाव चिह्न खतरे में पड़ गया है तो किसी की पार्टी का मालिकाना हक किसी और के पास चला गया है। विपक्ष की यह स्थिति देख अब प्रधानमंत्री मोदी के संसद में दिये गये संबोधन की वह बात किसी को अतिश्योक्ति नहीं लग रही कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनावों में अकेले दम पर 370 सीटें जीतेगी और एनडीए 400 के पार जायेगा। विपक्षी गठबंधन की हालत से देश के सामने एक बात और स्पष्ट हो गयी है कि बेमेल विचारधारा वाला यह गठबंधन सिर्फ सत्ता स्वार्थ के लिए बना था। जहां तक राष्ट्रीय लोक दल की बात है तो उसके बारे में बताया जा रहा है कि उसका भाजपा के साथ आना तय हो चुका है। एकाध दिनों में इसकी घोषणा हो सकती है। सूत्रों का तो यहां तक कहना है कि राष्ट्रीय लोक दल का भाजपा में विलय भी संभव है लेकिन अगर विलय नहीं हुआ तो गठबंधन होना पक्का है। हम आपको याद दिला दें कि भाजपा ने राष्ट्रीय लोक दल के साथ गठबंधन का प्रयास उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भी किया था लेकिन तब जयंत चौधरी ने साथ आने से मना कर दिया था। राष्ट्रीय लोक दल 2014 से सभी चुनाव विपक्षी दलों के साथ मिलकर लड़ा है लेकिन इसका उसे कोई ज्यादा लाभ नहीं हुआ। हालांकि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में जरूर समाजवादी पार्टी से गठबंधन का रालोद को फायदा हुआ था साथ ही सपा कोटे से जयंत चौधरी को राज्यसभा की सदस्यता भी मिल गयी थी। लेकिन अब छोटे चौधरी के नाम से मशहूर जयंत चौधरी के पाला बदलने की अटकलों से विपक्षी खेमा बेचैन दिख रहा है। क्योंकि बात यह नहीं है कि छोटा दल गठबंधन से बाहर जा रहा है या बड़ा दल, बात यह है कि लंबे समय से गठबंधन में साथ रहा दल अब दूसरे के साथ जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि हाल ही में अखिलेश यादव ने जयंत चौधरी के साथ एक फोटो ट्वीट करते हुए ऐलान किया था कि रालोद के लिए गठबंधन में सात लोकसभा सीटें दी गयी हैं। लेकिन यह सात सीटें कौन-सी होंगी इसका ऐलान नहीं किया गया था। इस बात से जयंत चौधरी नाराज बताये जा रहे थे। जयंत चौधरी ने राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान भी कांग्रेस से कुछ सीटें अपने लिये मांगी थीं लेकिन कांग्रेस की ओर से स्पष्ट इंकार कर दिये जाने के चलते उन्हें निराशा हाथ लगी थी।

मोदी सरकार ने जीत लिया दिल : जयंत चौधरी

लखनऊ (हिंस)। पूर्व प्रधानमंत्री व किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के भारत सरकार ऐलान को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने भाजपा से गठबंधन पर कहा कि आज मैं किस मुंह से इनकार करूं, मोदी सरकार ने दिल जीत लिया है। उन्होंने एक पत्रकार वार्ता में कहा है कि चौधरी चरण सिंह को बहुत बड़ा सम्मान मिला। आज चौधरी अजित सिंह का सपना पूरा हुआ है। आज का फैसला पीढ़ी दर पीढ़ी याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री देश की मूल भावना समझते हैं। इस फैसले को गठबंधन से न जोड़ा जाए। भाजपा से गठबंधन से इनकार नहीं। नए भारत में चीजें बदल रही हैं। प्रधानमंत्री का फैसला दिल जीतने वाला है। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी के इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश में प्रमुख विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और इंडी. गठबंधन के पूरी तरह से लोकसभा चुनाव से पूर्व ही बिखरता हुआ दिख रहा है। यूपी में लगभग सभी दल सपा से किनारा करते जा रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री और किसान नेता चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के फैसला का रालोद विधायकों ने भी स्वागत किया है। उप्र विधान सभा में सदन की कार्यवाही के बाद रालोद के सभी विधायकों ने विधान भवन स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष चौधरी चरण सिंह अमर रहें..., अमर रहें... के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे बुलंद किए। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का निर्णय न केवल स्वागत योग्य है बल्कि प्रशंसनीय भी है। पूर्व की सरकारों ने किसानों के मसीहा के संघर्षों को कभी इस तरह से नहीं देखा। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की खुशी में राष्ट्रीय लोकदल के राजधानी स्थित मुख्यालय पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की गई। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय व अन्य रालोद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने परिसर में लगी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एक-दूसरे को बधाई दी और भारत सरकार के निर्णय की सराहना की। रालोद के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा हमारी पार्टी और किसानों की मांग का सम्मान रखा। आज का दिन देश के करोड़ों किसानों को गौरवान्वित करने वाला पल है। इस सम्मान से चौधरी चरण सिंह का ही नहीं बल्कि भारत रत्न का भी सम्मान बढ़ा है।

नवादा के सांसद चंदन सिंह को मिली एनडीए को जिताने की टिप्स

नवादा (हिंस)। नवादा के सांसद चंदन सिंह ने शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जेपी नड्डा से उनकी मुलाकात हुई। मुलाकात के दौरान उन्होंने मुझे नवादा सहित बिहार के सभी सीटों पर एनडीए को विजय बनाने के लिए बेहतर काम करने की टिप्स दी है। सांसद ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष सांगठनिक ज्ञान से समृद्ध है, जिस कारण उन्होंने बेहतर तरीके से काम कर एनडीए को जिताने की नसीहत दी है। सांसद चंदन सिंह ने बताया कि बहुत ही बेहतर तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक में अनुकूलता के साथ सीटों पर विचार के सकारात्मक परिणाम आने हैं, जिस कारण एनडीए की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी सीटों पर एनडीए की जीत होगी। जिसके लिए योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार देश में एनडीए की सरकार बनेगी जो निश्चित तौर पर भारत को विश्व में सर्वश्रेष्ठ स्थान दिलाएगी। सांसद चंदन सिंह के जेपी नड्डा से मुलाकात को राजनीतिक क्षेत्र में काफी अहम माना जा रहा है।

जींद में 11 को प्रदेश स्तरीय ओल्ड पेंशन स्कीम संकल्प महारैली : विजेंद्र धारीवाल

जींद (हिंस)। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल ने कहा कि द्वारा हरियाणा में ओल्ड पेंशन स्कीम ओपीएस के मुद्दे को लेकर जींद के एकलव्य स्टेडियम में 11 फरवरी को संकल्प महारैली का आयोजन किया जा रहा है। इसमें हरियाणा के प्रत्येक जिले से कर्मचारी पहुंचेंगे। प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनके साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनूप लाठर, रिसर्च हेड रमेश जांडली, वजीर गांगोली, जोगेंद्र लोहान, देवीलाल जुलानी, सतीश भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि पिछले एक माह से विभाग, ब्लॉक, जिला स्तर पर 11 फरवरी की रैली की तैयारियां की जा रही हैं। इस महारैली में वोट फोर ओपीएस का नारा दिया जाएगा। ओपीएस आंदोलन को गांव स्तर पर मजबूत किया जा रहा है और गांवों में 5200 से अधिक टीमें बनाई गई हैं। अगर सरकार अपने अंतिम बजट में ओपीएस बहाल नही करती तो आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव में संघर्ष समिति द्वारा वोट फोर ओपीएस की मुहिम चलाई जाएगी। विजेंद्र धारीवाल ने बताया कि पिछले साल 19 फरवरी को पंचकूला में 70 हजार से ज्यादा कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग को लेकर जुटे थे लेकिन जींद में इस रिकार्ड को भी तोड़ा जाएगा। जून में भी कर्मचारियों ने ओपीएस जागरूकता साइकिल यात्रा निकाली थी और एक अक्तूबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में कर्मचारियों की ताकत सरकार को दिखाने का काम किया था। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनूप लाठर ने बताया कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति द्वारा पिछले पांच वर्षों से लगातार धरने, प्रदर्शन, रैलियां, भूख हड़ताल किए गए। पंचकूला में वाटर कैनन, आंसू गैस और लाठी चार्ज को सहन किया गया। इसके बाद प्रदेश सरकार द्वारा तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया। तीन मार्च को कमेटी की एक बैठक के बाद दोबारा कोई बैठक सरकार द्वारा नहीं बुलाई गई और न ही पुरानी पेंशन बहाल करने की दिशा में कोई कदम उठाया गया। इससे प्रदेश के लाखों कर्मचारियों में भारी रोष बना हुआ है।

जमीन विवाद में चार लोगों को कुल्हाड़ी से काटा, तीन की मौत, एक गंभीर

गुमला (हिंस)। झारखंड के गुमला जिले के सिसई में चार लोगों को कुल्हाड़ी (टांगी) से काट दिया गया। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक की हालत गंभीर है। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे की है। जानकारी के अनुसार गुमला जिले के सिसई में रह रहे एक परिवार में शुक्रवार को जमीन को लेकर विवाद हो गया। परिवार के लोग पूर्वजों द्वारा जमीन पर लगाए गए फुटकल के पेड़ को लेकर झगड़ने लगे। आपसी विवाद इतना बढ़ गया कि भाई-भाई में ही खूनी संघर्ष हो गया।

दादी ने पोते को जहर देकर की हत्या, परिजनों में कोहराम

नवादा (हिंस)। नवादा में एक लोमहर्षक घटना घटी, जहां शुक्रवार को तीन वर्षीय बालक की मौत हो गई। वहीं परिजनों ने चचेरी दादी पर बच्चे को जहर देकर हत्या का आरोप लगाया है। मामला वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के धनकौर गांव की है। आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। मृतक मासूम की पहचान विकास कुमार के तीन वर्षीय पुत्र अनमोल कुमार के रूप में की गई है। फिलहाल कारणों का पता नहीं चल सका है। वहीं पुलिस चचेरी दादी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मुख्यालय डीएसपी कल्याण आनंद ने बताया कि बच्चे को जहर देकर हत्या करने की सूचना मिली है। शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों ने जिस पर आरोप लगाया है, उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि बालक की मौत कैसे हुई है। फिलहाल पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। मृतक के पिता विकास कुमार ने कहा कि घर का एकलौता पुत्र था। अनमोल कुमार के घर में सब कुछ खुशी-खुशी चल रहा था। लेकिन बगल के ही चाचा और उसकी मां के द्वारा अनमोल को घर में बुलाकर जहर पिला दिया गया है। जिसके कारण ही अनमोल की मौत हो गई है। हम लोगों को किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं है। इस मामले में पुलिस ने भी कार्रवाई की है। भागने से पहले ही महिला को गिरफ्तार कर लिया है। महिला की सच्चाई नहीं स्वीकार करने की स्थिति में नारको टेस्ट भी कराया जा सकता है।

आम आदमी पार्टी ने रोजगार की मांग पर किया प्रदर्शन

कुछ हजार नियुक्तियां करके ढिंढोरा पीट रही सरकार : पवन फौजी

हिसार (हिंस)। आम आदमी पार्टी ने रोजगार की मांग पर शुक्रवार को यहां के फव्वारा चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पार्टी कार्यकर्ता अपने हाथों में *कहां है मेरा रोजगार-जवाब दो खट्टर सरकार, युवा पूछे रोजगार पर सवाल-जवाब दो मनोहर लाल, नहीं दे सकते रोजगार तो इस्तीफा दो मनोहर लाल, उखाड़ देंगे वो सरकार-जो दे न सके रोजगार* जैसे नारे लिखी तख्तियां लिए हुए थे। प्रदर्शन की अध्यक्षता ग्रामीण जिला अध्यक्ष दलबीर किरमारा व शहरी जिला अध्यक्ष रविन्द्र श्योराण ने की जबकि जिला सचिव वीएल शर्मा व कमल सोलंकी ने संचालन किया। प्रदर्शन में मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष पवन फौजी ने कहा कि युवाओं के सामने वर्तमान में बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है। ग्रामीण जिला अध्यक्ष दलबीर किरमारा ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार मात्र कुछ पदों पर भर्तियां करके वाहवाही ना लूटें। यदि सरकार अपनी जगह सही है तो प्रदेश में खाली पड़े पदों, पिछले 9 साल में हुई भर्तियों, लीक हुए पेपरों व भरे गए पदों का पूरा ब्यौरा जनता के सामने पेश करें, सरकार की सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार के हथकंडों व लाठियों से डरने वाली नहीं है। प्रदर्शकारियों को वरिष्ठ नेता संजय सातरोडिया, पार्टी पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुभाष कुंडू, युवा जिला अध्यक्ष विरेन्द्र नरवाल, महिला नेत्री डॉ. दिव्या मेहता, रेनू चहल, संजय बूरा, एडवोकेट विरेन्द्र शर्मा, सतबीर झाझड़िया व अन्य ने भी संबोधित किया। उपरोक्त के अलावा प्रदर्शन में सीताराम लोट, उमेश शर्मा, राजीव पाली, सीताराम नलवा, मनजीत रंगा, प्रदीप श्योराण, जोगेन्द्र लाडवा, सुरेश क्रांतिकारी, अशोक शर्मा व हरपाल पूनिया सहित जिलेभर से आए सैंकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

प्रत्येक व्यक्ति को सीखनी चाहिए संस्कृत : हुलासचंद्र

जोधपुर (हिंस)। संस्कृत भारती जोधपुर महानगर की डॉ. हेडगेवार भवन में आयोजित गोष्ठी में पत्राचार द्वारा संस्कृत योजना के अखिल भारतीय प्रमुख हुलास चंद्र ने कहा कि संस्कृत भाषा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संस्कृत भारती द्वारा इस वर्ष सम्पूर्ण भारत में जनपद संस्कृत सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। वर्तमान समय में समस्त विश्व में संस्कृत भाषा शिक्षने के लिए उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित हो रहा है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा में निहित ज्ञान से मनुष्य जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है। संस्कृत भाषा के उच्चारण मात्र से ही आनन्द प्राप्ति होती है। प्रत्येक व्यक्ति को संस्कृत सीखनी चाहिए। उन्होंने सभी संस्कृत प्रेमियों को 10 मार्च को जोधपुर में आयोजित होने वाले जनपद सम्मेलन में भाग लेने के लिए आह्वान किया। जोधपुर प्रान्त अध्यक्ष तुलसीदास शर्मा ने कहा कि जनपद सम्मेलन को भव्य और यशस्वी बनाने के लिए हमें प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर क्षेत्र संयोजक डॉ. तगसिंह राजपुरोहित, प्रान्त सह मंत्री भुवनेश व्यास, प्रान्त संपर्क प्रमुख महेश दाधीच, प्रान्त कोष प्रमुख लक्ष्मण गहलोत, श्रवण विश्नोई, प्रो. भानाराम, प्रो. सुनील मेहता, डॉ. दीपमाला गहलोत, सुधीर नाथ, मीना योगी, अधिवक्ता प्रहलादसिंह भाटी, श्रवणसिंह राजपुरोहित, डॉ. क्षेमेन्द्र, राकेश, डॉ. मोनिका वर्मा, मूलाराम विश्नोई, तुलसीराम शर्मा, बीरबल राम विश्नोई, सतीश ठाकुर, महावीर दाधीच आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिवपाल यादव *अखिलेश के चाचा थे, हैं और रहेंगे* कहते ही ठहाकों से गूंज उठा सदन

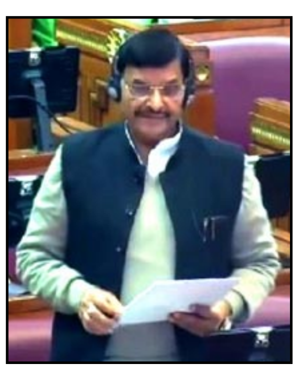

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र 2024-25 की शुक्रवार को सदन कार्यवाही में समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव और विधानमंडल के सदस्य शिवपाल यादव ने भाजपा सरकार के पेश बजट पर अपना पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने अब तक के सबसे बड़े बजट को लेकर सदन में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना पर कई तार्किक बयानों से हमला किया। शिवपाल यादव ने बजट को लेकर चर्चा करते हुए अपने जवाब में कविताओं और जुमलों की बौछार कर सदन में उपस्थित सभी दलों के विधायकों को ठहाके लगाने पर विवश कर दिया। उन्होंने कहा कि नेता सदन और उनके सहयोगियों को सबसे ज्यादा चिंता मेरी है। वे अपनी बातों में हमेशा मेरा नाम लिया करते हैं, जिससे ऐसा प्रतीत होता कि कि सदन नहीं, कोई कार्यक्रम *चाचा पर चर्चा* चल रहा हो। शिवपाल यादव ने कहा कि चाचा पीडीए के थे, हैं और रहेंगे। समाजवादी पार्टी के थे, हैं और रहेंगे। अखिलेश के चाचा थे, हैं और रहेंगे। उनके यह कहते ही पूरा सदन ठहाकों से गूंज उठा।

हल्द्वानी के दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो : संजय निषाद

लखनऊ (हिंस)। उत्तराखंड के हल्द्वानी में उपद्रवियों द्वारा की गई घटना को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पूरी घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह जो अतिक्रमण है, आज नहीं, मुगलों के समय से चला आ रहा है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है सरकारी जमीनों को खाली कराना। श्री निषाद ने कहा कि प्रदर्शन करने के सिवा उनके पास रखा ही क्या है। अपने समाज को खुश करने के लिए जो भी करें, उनका समाज उनके बहकावे में नहीं आने वाला है। निषाद पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट सच्चा उदाहरण है कि दाढ़ी वाले और जाली टोपी वालों ने जालिया काम किया और मुसलमान की गरीबी बढ़ाई है। संजय निषाद ने योगी सरकार में कानून व्यवस्था को लेकर उत्तर प्रदेश में हो रही कार्रवाई की सराहना की।

लखपति दीदी योजना में प्रदेश की 11.24 लाख महिलाएं होंगी लाभान्वित

नागौर/जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केंद्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकार तेजी से कार्य कर रही है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में लखपति दीदी जैसी महत्वपूर्ण योजना को शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत प्रदेश में भी 11.24 लाख महिलाओं को लाभान्वित किया जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को नागौर के मारवाड़ मूंडवा में वीर तेजा महिला शिक्षण एवं शोध संस्थान के वार्षिकोत्सव एवं कन्या छात्रावास भवन के शिलान्यास समारोह पर आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं एवं छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। नारी शक्ति को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2 लाख नए महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप बनाने और 28 लाख महिलाओं को महिला सशक्तिकरण क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से 1 लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध करवाने का कार्य किया जाएगा। शिक्षा के उचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार छात्राओं को सह-शिक्षा महाविद्यालयों एवं पॉलिटेक्निक व अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुसार महिलाओं को 450 रुपए में सिलेण्डर भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं एवं किसानों के कल्याण के लिए तत्परता के साथ कार्य कर रही है। सरकार ने अपने पहले बजट 2024-25 (लेखानुदान) में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को देय वार्षिक वित्तीय सहायता 6 हजार से 8 हजार रुपए तक करने, 2023-24 में गेंहू के न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 125 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने सहित कृषक कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार के समुचित अवसर देने व उनकी प्रतिभाओं को निखारने के लिए भी राज्य सरकार वृहद स्तर पर कार्य कर रही है। अब प्रदेश के गांव-ढाणी तक खेल सुविधाओं का विस्तार भी किया जाएगा, ताकि प्रदेश की युवा प्रतिभाएं 2028 के ओलंपिक के लिए पूर्ण आत्मविश्वास के साथ तैयारी कर सकें। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वीर तेजा महिला शिक्षण एवं शोध संस्थान छात्राओं को उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने में महती भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि यह संस्थान शैक्षिक, व्यावसायिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य कर रहा है। इस संस्थान में मेडिकल एजुकेशन पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए विभाग की ओर से हरसंभव मदद की जाएगी। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सीआर चौधरी तथा पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पंजाब में आम आदमी क्लीनिकों में हेरफेर, सिविल सर्जन ने दिए सख्त आदेश

पंजाब : पंजाब सरकार द्वारा बनाए गए आम आदमी क्लीनिक लोगों को समर्पित है। लोग अपनी बीमारियों का इलाज करवाने के लिए काफी संख्या में पहुंच रहे हैं। इसी बीच लुधियाना में 28 आम आदमी क्लीनिक जांच में घेरे में आ गए हैं जिसमें हेरफेर की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार नए सिविल सर्जन डाक्टर जसबीर सिंह औलख जिन्होंने हाल ही में दिसंबर महीने में चार्ज संभाला है, ने जांच के दौरान पाया कि 75 क्लीनिकों में से 28 क्लीनिकों में मरीजों की संख्या काफी कम है। क्लीनिकों में ओ.पी.डी. की संख्या में लगभग 40 प्रतिशत कमी आई है लेकिन डाटा एंट्री में मोहल्ला क्लीनिकों में मरीजों की संख्या का डाटा अधिक देखा गया है। सिविल सर्जन का कहना है कि अधिक कमीशन के लालच में कई क्लीनिकों में डाटा एंट्री अधिक शो की जा रही है। लुधियाना में उक्त आम आदमी क्लीनिकों में चल रही गड़बड़ी के कारण सिविल सर्जन ने सख्त एक्शन लेते हुए क्लीनिकों नोटिस जारी किया है। इसी के साथ सिविल सर्जन औलख ने जिला प्रतिरक्षण अधिकारी सह नोडल अधिकारी आम आदमी क्लीनिक डा. मिनिषा खन्ना को तुरंत प्रभाव से हरकत में आते हुए, जांच के आदेश जारी किए हैं। वहीं उन्होंने कहा कि ऑडिट रिपोर्ट 7 दिनों के अंदर-अंदर पूरी कर ली जाए। जानकारी के लिए बता दें कि आम आदमी क्लीनिकों में डाक्टरों को प्रति मरीज 50 रुपए दिए जाते हैं। फार्मासिस्टों और क्लीनिक असिस्टेंटों को हर मरीज 12 रुपए और 10 रुपए दिए जाते हैं। डाक्टरों को लगभग 63, 000 रुपए वेतन मिलता है।

उच्च जलाशयों का शिलान्यास : विकसित भारत के साथ विकसित राजस्थान बनाएंगे : दिया कुमारी

जयपुर (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने शुक्रवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के नींदड ग्राम में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के लिए तीन उच्च जलाशयों का शिलान्यास किया। लगभग 18 करोड़ रुपए की लागत से नींदड, कबीर आश्रम और माचड़ा हनुमान मंदिर क्षेत्र में उच्च जलाशय बनाए जाएंगे। इन उच्च जलाशयों के पूर्ण होने पर क्षेत्र की लगभग एक लाख तेरह हजार आबादी को स्वच्छ एवं निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारी सहित सभी वर्गों का ध्यान रखकर योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में सभी वर्गों को लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा कि बजट में की गई घोषणाओं को यथाशीघ्र धरातल पर उतारने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध होकर काम कर रही हैं। इस अवसर पर जलदाय मंत्री ने उपमुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने बजट में जलदाय विभाग को 15 हजार करोड़ रुपए दिए है इससे हर घर नल पहुंचाने के कार्य में तेजी आएगी। उपमुख्यमंत्री ने नींदड गांव में आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाडी में आने वाले बच्चों, उसमें पढ़ाई जाने वाली पुस्तकों एवं पोषाहार के संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नींदड का निरीक्षण कर स्कूल स्टॉफ एवं छात्राओं से संवाद किया। बजट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि किये जाने से खुश नींदड की आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री का आभार जताते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया। गौरतलब है कि बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल योजना के तहत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में आठ पानी की टंकिया बनाई जानी है।

जम्मू-कश्मीर के बाहर रहने वाले सभी 5300 पीओजेके परिवारों को भी सभी लाभ प्रदान करे सरकार : उच्च न्यायालय

जम्मू (हिंस)। माननीय उच्च न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर के बाहर रहने वाले सभी 5300 पीओजेके परिवारों को भी सभी लाभ प्रदान करने के आदेश सरकार को दिए हैं। उच्च न्यायालय का आदेश है कि देश के दूसरे हिस्सों में रह रहे परिवारों के साथ भी समान व्यवहार करे सरकार। जम्मू-कश्मीर के बाहर देश के दूसरे हिस्सों में रहने वाले पाक अधिकृत जम्मू कश्मीर विस्थापित परिवारों के साथ भी प्रदेश में रहने वाले पीओजेके विस्थापित परिवारों के समान व्यवहार किया जाए। मुजफ्फराबाद के एक विस्थापित ओआईआर संगठन-एसओएस इंटरनेशनल के सदस्य और पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील राजेश कुमार बसंदी द्वारा दायर की याचिका पर सुनवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। माननीय उच्च न्यायालय ने सरकार को 6 महीने के भीतर जम्मू-कश्मीर के बाहर रहने वाले पीओजेके के सभी 5300 परिवारों को नकद सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।

सारथी पर किसानों को मिलेगी सरकारी बीमा उत्पादों की जानकारी, शिकायत करने की भी सुविधा

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित सरकारी बीमा योजनाओं की जानकारी सारथी पोर्टल पर मिलेगी। चरणबद्ध तरीके से इसमें बीमा उत्पादों को शामिल किया जाएगा। पोर्टल व हेल्पलाइन के जरिये किसान शिकायत भी दर्ज करा सकेंगे। कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने बृहस्पतिवार को पोर्टल लॉन्च किया।

पहले चरण में व्यक्तिगत दुर्घटना, दूसरे चरण में स्वास्थ्य, दुकान और घर का बीमा और तीसरे चरण में ट्रैक्टर, दोपहिया वाहन, पशुधन और गैर-पीएमएफबीवाई बीमा उत्पाद शामिल होंगे। कृषि रक्षक पोर्टल और हेल्पलाइन भी शुरू की गई है। यह एक सुविधा प्रदाता के रूप में काम करेगी, जो बीमित किसान और बीमा कंपनियों, बैंकरों, सामान्य सेवा केंद्रों व सरकारों के बीच के अंतर को पाटने का काम करेगी।

समस्या सुलझाने के लिए केंद्र होगा मध्यस्थ

किसान पोर्टल या हेल्पलाइन के जरिये शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसे बीमा कंपनियों को भेजा जाएगा। शिकायतों के समाधान को केंद्र मध्यस्थ होगा। शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने को कृषि रक्षक पोर्टल व हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं।

डिजिटल भुगतान व प्रीमियम संग्रह की भी मिलेगी सुविधा

पीएमएफबीवाई के सीईओ ने कहा कि यह पोर्टल किसानों के लिए डिजिटल बीमा पेशकश करेगा।

यह पोर्टल बीमा उत्पादों को देखने, खरीदने और उनका लाभ उठाने के लिए एकल-खिड़की प्लेटफॉर्म के रूप में होगा।

पोर्टल पर डिजिटल भुगतान विकल्प और प्रीमियम संग्रह, ट्रैकिंग और समाधान के साथ ग्राहकों को इंटरफेस की भी सुविधा होगी।

न्यूज ब्रीफ

एसआईपी रिकॉर्ड ऊंचाई पर, जनवरी में 18,838 करोड़ रुपये आए, म्यूचुअल फंड में 1.23 लाख करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। इक्विटी बाजार की तेजी में निवेशक म्यूचुअल फंड में जबरदस्त निवेश कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिये निवेश रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। जनवरी में यह 18,838 करोड़ रुपये हो गया। दिसंबर में 17,610 करोड़ रहा था। एसआईपी में निवेशकों के निवेश का मूल्य यानी एयूएम 10.26 लाख करोड़ रुपये रहा जो दिसंबर में 9.95 लाख करोड़ रुपये था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में एसआईपी की संख्या रिकॉर्ड 7.92 करोड़ रही है। दिसंबर में यह 7.63 करोड़ थी। जनवरी में नए एसआईपी खाते भी रिकॉर्ड बनाए। कुल 51.84 लाख खाते खोले गए। दिसंबर में 40.32 लाख खाते खोले गए थे। म्यूचुअल फंड उद्योग का औसत एयूएम जनवरी में रिकॉर्ड 52.74 लाख करोड़ रुपये रहा है जो दिसंबर में 51.09 लाख करोड़ रुपये था। कुल फोलियो यानी खातों की संख्या भी रिकॉर्ड 16.95 करोड़ पर पहुंच गई। दिसंबर में यह 16.49 करोड़ थी। इक्विटी में खुदरा फोलियो की संख्या अब तक के सार्वकालिक स्तर 13.56 करोड़ पर पहुंच गई है जो दिसंबर में 13.18 करोड़ थी। खुदरा एयूएम 29.88 लाख करोड़ रुपये रहा है। इक्विटी में आए 21,780 करोड़ जनवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड में कुल 21,780 करोड़ रुपये का निवेश आया है। यह दो वर्षों में किसी एक महीने का रिकॉर्ड है। मार्च, 2022 में 28,463 करोड़ रुपये आए थे। लगातार 35वें महीने इक्विटी में निवेश आया है। दिसंबर के 16,997 करोड़ की तुलना में यह 28 फीसदी अधिक है। स्मॉल कैप और मल्टी कैप में ज्यादा निवेश इक्विटी में स्मॉल कैप में 3,257 करोड़ निवेश आया है। थीमेटिक फंड में 4,805 करोड़ और मल्टी कैप में 3,039 करोड़ रुपये आया है। लार्ज कैप में 1,287 करोड़ आए हैं जो लगातार 19वें महीने निवेश है। म्यूचुअल फंड में कुल निवेश जनवरी में 1.23 लाख करोड़ रुपये रहा है। इसमें 76,483 करोड़ डेट में आए हैं। जबकि दिसंबर में 40,685 करोड़ निकाले गए थे।

सोना और चांदी के भाव तेजी पर खुले

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। इस तेजी के साथ चांदी के वायदा भाव बढकर 71 हजार रुपये पार कर गए हैं। जबकि सोने के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद नरम पड गए और इसके वायदा भाव 62,450 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 21 रुपये की तेजी के साथ 62,464 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 6 रुपये की गिरावट के साथ 62,434 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 213 रुपये की तेजी के साथ 71,050 रुपये के भाव पर खुलने के बाद 173 रुपये की तेजी के साथ 71,010 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,049.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,047.90 डॉलर था। यह 0.20 डॉलर की तेजी के साथ 2,048.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 22.64 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 22.63 डॉलर था।

ईपीएफओ अब पेटीएम पेमेंट्स बैंक से आए सभी क्लेम को नहीं करेगा एक्सेप्ट

नई दिल्ली। भारत के सरकारी सामाजिक सुरक्षा कोष 23 फरवरी से पेटीएम पेमेंट्स बैंक के अकाउंट के जरिये आए सभी क्लेम को रोक दिया जाएगा। दरअसल, 31 जनवरी 2024 को भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को बैन करने का आदेश दिया था। दरअसल, पेटीएम पेमेंट्स बैंक में हो रही लगातार अनियमितताओं की वजह से आरबीआई ने यह फैसला लिया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने अपने अधिकारियों को वन 97 कम्युनिकेशंस के सहयोगी पेटीएम पेमेंट्स बैंक में खातों से जुड़े दावों को स्वीकार करने से परहेज करने के लिए कहा है। इसकी समीक्षा रॉयटर्स द्वारा की गई थी। ईपीएफओ ने यह निर्देश जारी किया था। बता दें ईपीएफओ भारत के श्रम और रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आता है। ईपीएफओ ने क्यों उठाया यह कदम पिछले हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियमों का अनुपालन न करने का हवाला देते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक को मार्च से अपने खातों या डिजिटल वॉलेट में नई जमा स्वीकार करना बंद करने का निर्देश दिया था। इस निर्देश के बाद ईपीएफओ ने यह फैसला लिया है।

फेस्टिव सीजन में विमानन कंपनियां बढ़ा देती हैं हवाई किराया, संसदीय समिती ने कहा- तय की जानी चाहिए अधिकतम सीमा

नई दिल्ली।
फेस्टिव सीजन के शुरू होने से पहले हवाई सफर महंगा हो जाता है। फ्लाइट की टिकट महंगी होने की वजह से आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस परेशानी को लेकर संसदीय पैनल ने हवाई-किरायों पर स्पेशल कापिंग का प्रस्ताव पेश किया है। फ्लाइट टिकट की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए संसदीय समिति एक अलग यूनिट स्थापित करने की योजना बना रही है। समिति ने कहा कि फ्लाइट टिकट की कीमतों को लेकर अभी नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा कोई अहम फैसला नहीं लिया गया है।

संसदीय स्थायी समिती ने परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर एक रिपोर्ट पेश किया है। इस रिपोर्ट में समिती ने हवाई किराए को तय करने जैसे मुद्दे पर सिफारिश और टिप्पणी पेश किया है।

संसदीय समिती की रिपोर्ट

संसदीय समिती द्वारा पेश किये गए रिपोर्ट में कई उदाहरण की तरफ इशारा किया गया है। समिती ने एक तंत्र सुझाया जिसके अनुसार डीजीसीए के पास हवाई शुल्कों को विनियमित करने का अधिकार है। वहीं, सरकार हवाई किराए को विनियमित नहीं कर सकती है। संसदीय समिति ने सुझाव दिया है कि हवाई किराए को कंट्रोल करने के लिए एक अर्ध-न्यायिक शक्तियों के साथ एक अलग इकाई बनाने का सुझाव दिया है। इसके अलावा समिती ने अपने रिपोर्ट में कहा कि एयरलाइंस और ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखना चाहिए। इसके लिए समिति ने मार्ग विशिष्ट किराया का सुझाव भी दिया है। समिती ने कहा कि एयरलाइंस को राजस्व प्रबंधन और वाणिज्यिक हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसके अलावा समिति ने सुझाव दिया है कि मंत्रालय विमान नियम, 1937 के नियम 13 (1) का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार कर सकता है।

इंडिया ग्लोबल फोरम के निवेश सम्मेलन को संबोधित करेंगे गृह मंत्री अमित शाह, अगले महीने होगा आयोजन

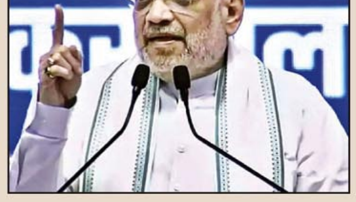

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगले महीने होने वाले इंडिया ग्लोबल फोरम के वार्षिक निवेश शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जारी एक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री 6 मार्च को मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर में शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे। एनएक्सटी 10 थीम के तहत, इंडिया ग्लोबल फोरम भारत के विकास के अगले दशक की पड़ताल करेगा क्योंकि यह देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। एनएक्सटी 10 में का आयोजन पांच से 10 मार्च के बीच होगा जिसमें कारोबार, राजनीति, कला और संस्कृति की दुनिया की प्रमुख हस्तियां शामिल होंग। इस बैठक के दौरान अगले दस साल में भारत की अर्थव्यवस्था और भूराजनीतिक स्थिति के संकेतों पर चर्चा की जाएगी। भारत के बारे में विश्लेषकों को क्या गलत लगता है शीर्षक वाले एक बहुप्रतीक्षित सत्र में, केंद्रीय मंत्री अमित शाह भारत के विकास, राजनीति और समाज के बारे में पश्चिमी जगत में सुर्खियों में रहने वाले हेडलाइंस पर अपने विचार रखेंगे। आईजीएफ के संस्थापक और अध्यक्ष मनोज लाडवा ने कहा, गृह मंत्री अमित शाह के इंडिया ग्लोबल फोरम में इस तरह के पहले संबोधन का न केवल भारत में, बल्कि विश्व स्तर पर उत्सुकता से इंतजार किया जाएगा। मुझे यकीन है कि वह अपनी स्पष्ट शैली में, आज के भारत के बारे में अपने आकलन और आने वाले दशक के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करेंगे।

पड़ोसी देश में आम चुनाव के नतीजों पर अनश्चितता बढ़ी, शेयर बाजार 1700 अंक फिसला

नई दिल्ली।
पाकिस्तान में आम चुनाव के नतीजों को लेकर भ्रम की स्थिति के बीच पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क केएसई-100 सूचकांक 1,700 अंक नीचे चला गया। पाकिस्तान के अधिकारी चुनाव परिणामों की घोषणा करने के मामले में कछुए की गति से आगे बढ़ रहे हैं। एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम के तहत जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के समर्थित उम्मीदवार कई स्थानों पर आगे चल रहे हैं।

इमरान की पार्टी ने इस बार स्वतंत्र उम्मीदवारों का समर्थन किया था कि क्योंकि चुनाव से पहले उनकी पार्टी का सिंबल छिन गया था। एक शीर्ष वित्तीय विश्लेषक के अनुसार केएसई-100 सूचकांक लुढ़क गया है क्योंकि निवेशक चुनाव के बाद बनी अनिश्चित स्थिति के कारण खरीदारी के बजाय बिकवाली पर जोर दे रहे हैं। टॉपलाइन सिक्योरिटीज के हम्माद जफर ने कहा, कोई नहीं जानता कि क्या होने वाला है और अगली सरकार कौन बनाएगा, इसलिए यह समझ में आता है कि निवेशक आज ऐसी प्रतिक्रिया क्यों दे रहे है पीएसएक्स वेबसाइट ने कहा कि आम चुनाव के नतीजे लगातार आ रहे हैं और कारोबार शुरू होने के तुरंत बाद सूचकांक 2,278 अंक लुढ़क गया। हालांकि उसके बाद बाजार में खरीदारी लौटी। शुरुआती कारोबार में केएसई-100 1,720.27 अंक या 2.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,423.60 अंक पर आ गया। इससे पिछले दिन बाजार 64,143.87 के स्तर पर बंद हुआ था। पाकिस्तान फॉरेक्स एसोसिएशन के प्रमुख जफर प्राचा ने कहा, चुनाव से पहले के हालात में बाजार पीएमएल एन सरकार की उम्मीद कर रहा है, लेकिन शुरुआती परिणाम बताते हैं कि लोगों के विचार अलग हैं। एक अन्य वरिष्ठ विश्लेषक ने कहा कि निवेशक एक स्थिर सरकार बनाना चाहते हैं और बाजार की भलाई के लिए राजनीतिक अनिश्चितता खत्म होनी चाहिए। विश्लेषकों के अनुसार एक बार परिणाम साफ होने के बाद बाजार फिर ऊपर जाएगा।

एलआईसी बन गई देश की चौथी बड़ी कंपनी, इन्फोसिस को पछाड़ा; 7 लाख करोड़ के पार पहुंचा एम-कैप

नई दिल्ली।

एलआईसी के शेयर में तेजी देखने को मिल रही है। इस हफ्ते के शुरुआत से ही कंपनी के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के शेयर 6 फीसदी की तेजी के साथ खुले हैं। कंपनी के स्टॉक में आई तेजी के बाद कंपनी का एम-कैप 7.01 लाख करोड़ के पार पहुंच गया। इस तेजी के बाद अब एलआईसी ने इन्फोसिस को पछाड़कर टॉप-4 फर्म का पायदान हासिल किया है।

इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 6.95 लाख करोड़ हो गया है। देश की टॉप-1 फर्म रिलायंस इंडस्ट्रीज है। इसके बाद टीसीएस और एचडीएफसी बैंक आते हैं।

एलआईसी का तिमाही नतीजा

एलआईसी ने दिसंबर तिमाही नतीजा जारी किया था। इस नतीजे के अनुसार कंपनी का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट में 49 फीसदी की बढ़त हुई है। यह 9,444.41 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं कंपनी का नेट प्रीमियम इनकम 1,17,017 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, कंपनी की नेट इनकम 2,12,447 करोड़ रुपये है।

कंपनी का एम-कैप 6.99 लाख करोड़ रुपये था। यह देश की पांचवी मूल्यवान कंपनी बन गई थी। तिमाही नतीजों के साथ कंपनी ने 4 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड देने का एलान किया है।

एआई के क्षेत्र में नौकरी के लिए 20 लाख भारतीयों को प्रशिक्षित करेगी माइक्रोसॉफ्ट, नए कार्यक्रम की घोषणा

मुंबई।

माइक्रोसॉफ्ट ने भारत के 20 लाख युवाओं को एआई के क्षेत्र में नौकरी के लिहाज से प्रशिक्षित करने के लिए एडवांटेज इंडिया कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। 2025 तक चलने वाले कार्यक्रम को केंद्रीय कौशल विकास मंत्रालय के साथ चलाया जाएगा। प्रशिक्षण में सरकारी विभाग, निजी कंपनियां व गैर-सरकारी संगठन शामिल होंगे।

भारत और दक्षिण एशिया में माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष पुनीत चंडोक ने कहा कि एडवांटेज इंडिया पहल पूरे देश में एआई कौशल तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में अहम कदम है। इस कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों और प्रशिक्षण केंद्रों में 5,00,000 छात्रों और नौकरी चाहने वालों को एआई का बुनियादी और उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एक लाख छात्राओं को मिलेगा प्रशिक्षण

टियर 2 और 3 के शहरों में उच्च शिक्षा संस्थानों में 5,000 प्रशिक्षकों के जरिये 1,00,000 छात्राओं के लिए एआई तकनीकी कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों में 4,00,000 छात्रों को एआई के जिम्मेदारी से उपयोग और एआई-सक्षम करियर के बारे में जागरूक किया जाएगा, ताकि वे अगली पीढ़ी के एआई इनोवेटर्स बन पाएं।

सिविल सेवा अधिकारी भी शामिल होंगे

माइक्रोसॉफ्ट सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए भारत के राष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ 2,50,000 सरकारी अधिकारियों को जेनरेटिव एआई का आवश्यक प्रशिक्षण देगा और उनके कामकाज में एआई के उपयोग को बढ़ाया जाएगा। आवाज आधारित एआई टूल का होगा विकास चंडोक ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में 5,000 से अधिक गैर-लाभकारी संस्थाओं को प्रासंगिक प्रौद्योगिकी समाधान मुहैया कराए हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने भारतीय स्टार्टअप सर्वम एआई के साथ आवाज पर आधारित एक जेनरेटिव एआई टूल विकसिक करेगा।

मोबाइल फोन विनिर्माण क्षेत्र में पैदा होंगी 2.50 लाख नौकरियां, कंपनियों की उत्पादन क्षमता में आएगी तेजी

नई दिल्ली।
मोबाइल फोन विनिर्माण गतिविधियों में आ रही तेजी से अगले 12-18 महीने में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2.50 लाख तक नौकरियों के उत्पन्न होने की उम्मीद है। सरकार की ओर से स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने और वैश्विक स्तर पर मोबाइल ग्राहकों के बढ़ने से यह संभव होगा। भारत में एपल के अनुबंध वाली तीन विनिर्माण कंपनियां फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन के साथ भारतीय कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजी भी निर्माण क्षमता बढ़ा रही हैं। यह कंपनियां घरेलू और निर्यात की मांग को पूरा करने के लिए तेजी से काम कर रही हैं।

एपल चीन से अपनी विनिर्माण क्षमता को आक्रामक तरीके से भारत में स्थापित कर रही है। पिछले तीन वर्षों में भारत सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत इस क्षेत्र में पांच लाख नौकरियां पैदा की है। विनिर्माण क्षमताओं का विस्तार करने व उपकरण निर्माताओं को लुभाने के लिए भारत ने 2025-26 तक 300 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक सामान उत्पादित करने का लक्ष्य रखा है।

12 अरब डॉलर मूल्य का आईफोन बनाएगी एपल

एपल 2023-24 में भारत में 12 अरब डॉलर मूल्य के आईफोन बनाने का लक्ष्य रखा है। यह उसके पूरी दुनिया में हो रहे निर्माण का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा होगा। हाल में गूगल ने अपने पिक्सल स्मार्टफोन को भारत में बनाने की घोषणा की है। इससे भी बड़े पैमाने पर नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

12 लाख लोगों को मिल रहा रोजगार...

एक अनुमान के मुताबिक, भारत में मोबाइल फोन विनिर्माण उद्योग में 12 लाख लोगों को इस समय रोजगार मिल रहा है। वित्त वर्ष 2026 तक इसके बढ़कर करीब 15 लाख तक होने की उम्मीद है। इसमें से एक तिमाही नौकरियां प्रत्यक्ष होंगी और बाकी अप्रत्यक्ष रूप से होंगी।

रुपया पांच पैसे गिरकर 83.01 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.01 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू बाजारों में नकारात्मक रुझान और विदेशी कोषों के प्रवाह ने निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.96 प्रति डॉलर पर सपटा खुला। इसके बाद फिसलकर 83.01 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.96 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.19 पर रहा।

जमैका की दिग्गज धाविका शैली–एन फ्रेजर प्राइस पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेंगी

नई दिल्ली ।

तीन बार की ओलंपिक चैंपियन शैली–एन फ्रेजर–प्राइस ने कहा है कि वह 2024 पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास ले लेंगी क्योंकि वह अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना चाहती हैं। जमैका स्टार ने 2008 (बीजिंग) में 100 मीटर में स्वर्ण, 2012 (लंदन) ओलंपिक में स्वर्ण पदक और टोक्यो 2020 ओलंपिक रिले में स्वर्ण पदक जीता। कुल मिलाकर, उन्होंने तीन ओलंपिक स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य जीता है। उन्होंने अपने 15 साल के शानदार करियर में 100 मीटर, 200 मीटर और 4×100 मीटर रिले स्पर्धाओं में 10 विश्व चैंपियनशिप खिताब जीते हैं। सर्वकालिक महानतम धावकों में से एक मानी जाने वाली 37 वर्षीय जमैका की खिलाड़ी ने अमेरिकी लाइफस्टाइल पत्रिका एसेंस को बताया, ऐसा कोई दिन नहीं है जब मैं अभ्यास करने के लिए उठ रही हूं और मुझे लगता है कि मैं इससे उबर चुकी हूं। मेरे बेटे को मेरी जरूरत है। मैं और मेरे पति 2008 में मेरे जीतने से पहले से ही साथ हैं। उन्होंने मेरे लिए बलिदान दिया है। हम एक साझेदारी हैं, एक टीम हैं। और यह उस समर्थन के कारण है कि मैं वह काम करने में सक्षम हूं जो मैं इतने वर्षों तक कर रही हूं और मुझे लगता है कि अब मुझ पर कुछ और करने का दायित्व है। 37 वर्षीय महिला, जिसने 2017 में अपने बेटे, ज़ायोन को जन्म दिया, उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। वह 2019 में दोहा में अपनी जीत के साथ 100 मीटर विश्व खिताब जीतने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनीं और यूजीन में 2022 विश्व चैंपियनशिप में उस रिकॉर्ड को बढ़ाया जब उन्होंने अपना पांचवां 100 मीटर विश्व खिताब जीता। उसी वर्ष उन्होंने मोनाको डायमंड लीग भी जीती और एक सीज़न में छह बार 10.7 सेकंड से कम समय में दौड़ने वाली पहली महिला बनीं। फ्रेज़र–प्राइस ने कहा, आप प्रभाव डाल सकते हैं, और लोगों को यह दिखाना महत्वपूर्ण है कि आप स्वार्थी नहीं हो सकते। यह पर्याप्त नहीं है कि हम एक ट्रैक पर कदम रखें और हम पदक जीतें। आपको अगली पीढ़ी के बारे में सोचना होगा जो आपके बाद आ रही है, और उन्हें भी सपने देखने देना होगा और बड़े सपने देखने का अवसर मिलता है। जमैका की स्प्रिंट क्वीन, जो वर्तमान में पेरिस 2024 के लिए प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, ने कहा कि इस साल का ओलंपिक खेल सीमाओं को आगे बढ़ाने और लोगों को दिखाने के बारे में है कि आप निर्णय लेने के बाद रुक जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

आइस पैलेस में पट्टिका लगाकर नीरज को किया सम्मानित, पर्यटकों को चोपड़ा ने दिया अपना भाला

नई दिल्ली । भारत के ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा को स्विट्जरलैंड के जंगफ्राउजोक में मशहूर 'आइस पैलेस' में पट्टिका लगाकर सम्मानित किया गया। इस आइस पैलेस में कई और स्टार खिलाड़ियों की पट्टिकाएं भी लगी हुई हैं। स्विट्जरलैंड पर्यटन ने उन्हें सम्मानित किया और चोपड़ा ने इस स्मारक पट्टिका का अनावरण किया। चोपड़ा की शानदार उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए स्विट्जरलैंड पर्यटन ने कहा कि जंगफ्राउजोक ने स्मारक पट्टिका का अनावरण करने के लिए इस एथलीट का स्वागत किया है। जंगफ्राउजोक को 'यूरोप का शिखर' कहा जाता है। फेडरर और मैकलरॉय के क्लब में नीरज चोपड़ा ने पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अपना एक भाला भी दिया और इसे पट्टिका के साथ ही रखा गया है। इस तरह वह स्विट्जरलैंड के महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय जैसे स्टार खिलाड़ियों के साथ शामिल हो गए जिनकी भी 'आइस पैलेस' में ऐसी स्मारक पट्टिकाएं हैं। चोपड़ा ने अपने भाला फेंकने के कौशल का प्रदर्शन करके 'आइस पैलेस' में मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने इससे पहले स्विट्जरलैंड में ओलंपिक संग्रहालय को एक भाला उपहार में दिया था। चोपड़ा बोले, इस सम्मान के बारे में सपने में भी नहीं सोचा था नीरज चोपड़ा ने पट्टिका के अनावरण पर आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'इस देश में मुझे जो प्यार और सराहना मिली है, उससे मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैंने सपने में भी इस शानदार 'आइस पैलेस' में पट्टिका लगाए जाने के बारे में नहीं सोचा था, फिर भी मैं यहां हूं। मैं बहुत खुश हूं, जैसे मैं यूरोप के शिखर पर खड़ा हूं।

फिंच की पसंदीदा आईसी विश्व कप टीम में स्मिथ शामिल नहीं

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने जून में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की अपनी पसंदीदा टीम बनायी है। फिंच ने इसमें अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को भी अपनी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं दी है। साथ ही कहा कि बल्लेबाजी में काफी गहरायी है। उन्होंने यह भी कहा कि विकेटकीपर–बल्लेबाज जोश इंगलिस इस टूर्नामेंट में फिनिशर की भूमिका अच्छी प्रकार से निभा सकते हैं। फिंच ने कहा, इस समय मेरी 11 में वह स्मिथ शामिल नहीं है और इसका कारण यह है कि मुझे लगता है कि सूची में पर्याप्त बल्लेबाजी क्षमता है। इंग्लिस कई प्रकार की भूमिका एकसाथ निभा सकता है। उन्होंने कहा कि स्मिथ इस युग के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक होने के बाद भी टी20 में बेहतर नहीं कहे जा सकते हैं। उन्होंने 25.69 के औसत और 125 से अधिक की स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों के साथ 1,079 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90 है।

हमारे स्पिनरों ने भारतीयों से बेहतर प्रदर्शन किया : रेहान

नई दिल्ली । इंग्लैंड के युवा स्पिन स्पिनर रेहान अहमद ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में स्पिनरों के बेहतर प्रदर्शन के पीछे कप्तान बेन स्टोक्स की बेहतर नीतियां रहीं। इसके साथ ही टीम से मिले समर्थन और माहौल से भी उन्हें लाभ हुआ। उनका मानना है कि इस सीरीज में इंग्लैंड के अनुभवहीन स्पिनरों ने दिग्गज भारतीय स्पिनरों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। रेहान के साथ ही टॉम हार्टले और शोएब बशीर ने दो मैचों में कुल 33 विकेट लिए है जबकि आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे अनुभवी स्पिनरों ने मिलकर 23 विकेट लिए हैं। रेहान ने कहा, 'इससे पता चलता है कि टीम का माहौल कितना अच्छा है। उन्होंने कहा, 'हार्टले और बशीर यहां आने के बाद दबाव में नहीं दिखे और इसका श्रेय टीम को जाता है। रेहान ने कहा, 'हमारी टीम में माहौल और नेतृत्व ऐसा है कि आप यह भूल जाते है कि आप किसके खिलाफ खेल रहे है। आपका ध्यान केवल इस बात पर होता है कि आपको क्या करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम इससे परेशान नहीं होते कि चीजें कितनी कठिन हो सकती हैं। यह हमेशा इस बारे में देखते हैं कि आप इससे क्या हासिल कर सकते है। साथ ही कहा कि अगर मैं चार खराब गेंद फेंकने के बाद विकेट लेने में सफल रहता हूं तो यह लगातार 16 अच्छी गेंदें फेंकने से बेहतर है।

सैफ अंडर– 19 महिला चैंपियनशिप

भारत की जीत पर बिफरे बांग्लादेशी फैंस ने मचाया हंगामा, टीम पर की पत्थरबाजी

नई दिल्ली ।

सैफ अंडर–19 महिला चैंपियनशिप के तहत खेला गया भारत और बांग्लादेश के बीच मुकाबला विवाद के साथ खत्म हुआ। इस मैच के विजेता का फैसला सिक्का उछालकर दिया गया जिसके बाद बांग्लादेशी फैंस ने मैदान पर बोतलें और पत्थर फेंके। इस अफरातफरी के बीच मैच का नतीजा बदल दिया गया। दरअसल, भारत को टॉस के बाद विजेता घोषित गया था जिससे बांग्लादेशी फैंस नाराज हो गए। मैदान पर मौजूद प्रशंसकों ने भारतीय महिला खिलाड़ियों पर पत्थरबाजी शुरु कर दी जिसके बाद अधिकारियों ने भारतीय खिलाड़ियों को मैदान छोड़ने के लिए कहा।

रैफरी के फैसले से नाखुश बांग्लादेशी फैंस – निर्धारित 90 मिनट के खेले के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच खेला गया मैच 1–1 की बराबरी पर रहा। इसके बाद रैफरी ने पेनल्टी शूटआउट का फैसला लिया। दोनों टीमों के सभी 11 खिलाड़ियों ने अपने–अपने पेनल्टी किक को गोल में तब्दील कर दिया। स्कोर 11–11 पर पहुंचने के बाद अचानक से मैच रैफरी ने दोनों टीमों के कप्तानों को बुलाया और टॉस कर निर्णय लिया। भारत को टॉस जीतने के बाद विजेता घोषित कर दिया गया। हालांकि, बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने इस निर्णय को मानने से इनकार कर दिया।

बदला गया मैच का नतीजा – बांग्लादेशी प्रशंसकों में रैफरी के अपरंपरागत तरीके से परिणाम तय करने को लेकर नाराजगी थी, जिसके बाद मैदान पर तांडव देखने को मिला। मैच के कमिश्नर ने एक घंटे से अधिक समय के बाद भारतीय टीम के साथ परामर्श के बाद अपना निर्णय बदल दिया। भारत और बांग्लादेश को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया गया। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) के एक सूत्र ने बताया, यह अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की ओर से एक अच्छा संकेत था। हमने दोनों पक्षों को संयुक्त विजेता घोषित करने के फैसले को स्वीकार कर लिया है। टूर्नामेंट के नियमों को लेकर मैच अधिकारियों की ओर से भ्रम की स्थिति थी, जिसके कारण अभूतपूर्ण दृश्य सामने आए।

शमी ने धोनी को बताया सर्वश्रेष्ठ कप्तान

मुम्बई । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने खेल के तीनों ही प्रारुपों में शानदार गेंदबाजी के कारण टीम में अपनी जगह बनाये रखी है। शमी पिछले एक दशक से अधिक समय से भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के प्रमुख स्तंभ रहे हैं। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई खिलाड़ियों की कप्तानी में खेला है पर वह महेन्द्र सिंह धोनी को सर्वश्रेष्ठ कप्तान मानते हैं। शमी के अनुसार जितनी सफलता टीम को धोनी के समय मिली है। उतनी किसी कप्तान के दौर में नहीं मिली। शमी ने धोनी के नेतृत्व में पदार्पण करने के बाद विराट कोहली की कप्तानी में भी खेला है। वहीं अब वह रोहित शर्मा के नेतृत्व में खेल रहे हैं। वह विराट की कप्तानी में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे हैं। शमी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की बात करें तो गुजरात टाइटन्स (जीटी) में हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में भी खेला है। इसी टीम ने साल 2022 में खिताब जीता और 2023 में फाइनल में जगह बनाई थी। अपने सर्वश्रेष्ठ कप्तान के बारे में बात करते हुए शमी ने कहा कि सबका रुख अलग–अलग होता है। साथ ही कहा कि ये चीजें तुलना से शुरू होती हैं पर आप वही कहेंगे जो सबसे सफल रहा है। तो मेरे लिए वह धोनी हैं क्योंकि कोई भी उनके जितना सफल नहीं हुआ है। शमी टखने की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 विश्व कप फाइनल के बाद से ही खेल से दूर हैं। उन्होंने 2023 विश्व कप में सबसे अधिक 24 विकेट लिए थे।

पेरिस ओलंपिक का पदक होगा खास, खिलाड़ियों को मिलेगा एफिल टावर का टुकड़ा, आयोजकों ने किया खुलासा

पेरिस ।

पेरिस ओलंपिक और पैरालिंपिक के आयोजकों ने आठ फरवरी पहली बार पदकों का अनावरण किया। खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ी प्रतिष्ठित एफिल टावर का एक टुकड़ा घर ले जाएंगे। पेरिस ओलंपिक आयोजकों ने पदक का एक वीडियो शेयर किया है। पदक का एक हिस्सा एफिल टावर के टुकड़ों से बना है। ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक जबकि पैरालंपिक 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होंगे। साल के सबसे बड़े खेल आयोजन के लिए कुल 5084 पदक बनाए गए हैं। पदक में 18–ग्राम षट्भुज (हेक्सागॉन) टोकन है। ये अतीत में स्मारक के नवीनीकरण के दौरान एफिल टावर से निकाले गए लोहे से बने हैं। इन पदकों को चौमेट ज्वेलर ने डिजाइन किया है।

पदकों में एफिल टावर धातु क्यों – मार्टिन फोरकेड की अध्यक्षता में पेरिस 2024 एथलीट आयोग ने ओलंपिक खेलों के लिए पदकों पर विचार करने के लिए एक टीम का नेतृत्व किया। एक बयान में कहा गया, फ्रांस और पेरिस के प्रतिष्ठित स्मारक, एफिल टॉवर को खेलों की सबसे प्रतिष्ठित वस्तु, पदक के साथ जोड़ना हमारे लिए एक स्पष्ट विकल्प था। पैरालिंपिक पदकों में नीचे से एफिल टॉवर का दृश्य दिखाई देता है और उन पर ब्रेल लिपि में पेरिस 2024 अंकित है। इससे फ्रांसीसी लेखक लुई ब्रेल को श्रद्धांजलि देने का काम किया गया है।

पदक के दूसरी ओर क्या है – ओलंपिक पदक का दूसरा पहलू ग्रीस में खेलों के पुनर्जन्म की कहानी कहता है। 2004 से पदकों की एक पारंपरिक विशेषता है। जीत की देवी एथेना नाइक को अग्रभूमि में दर्शाया गया है, जो 1896 में ओलंपिक खेलों के पुनरुद्धार का गवाह बने पैनाथेनिक स्टेडियम से निकलती है। ओलंपिक पदकों के दूसरे पक्ष की एक और अनिवार्य विशेषता, एक्रोपोलिस इस डिजाइन में पहली बार एफिल टॉवर से जुड़ा है। इस प्रकार ग्रीस में प्राचीन खेलों की प्रेरणा, आधुनिक ओलंपिक खेलों की फ्रांसीसी उत्पत्ति और पेरिस में उनके अगले संस्करण सभी का प्रतिनिधित्व किया गया है। यहां तक कि ओलंपिक और पैरालंपिक पदकों के रिबन का भी एफिल टॉवर से कनेक्शन है।

स्ट्रेकर ने अंडर 19 क्रिकेट विश्वकप में बना रबाडा का रिकार्ड तोड़ा

बेनोनी ।

ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज ट्रॉम स्ट्रेकर की घातक गेंदबाजी से ही पाकिस्तान की टीम अंडर 19 क्रिकेट विश्वकप सेमीफाइनल में 179 रन ही बना पायी। स्ट्रेकर ने केवल 24 रन छह विकेट लेकर पाक बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। इस तेज गेंदबाज की गेंदों का ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उसने शुरुआती ओवरों के बाद डेथ ओवरों में भी घातक गेंदबाजी की। इस दौरान स्ट्रेकर ने मेजबान दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा का एक दशक पुराना एक रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

यह अंडर 19 विश्व कप के इतिहास में सेमीफाइनल या फाइनल में किसी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। गौरतलब है कि इससे पहले रबाडा ने साल 2014 में अंडर 19 विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 25 रन देकर 6 विकेट लिए थे। स्ट्रेकर ने रबाडा का सर्वश्रेष्ट गेंदबाजी आंकड़े कारिकार्ड तोड़ा है। इस सूची में भारत के अंगद राज बावा तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 31 रन देकर 5 विकेट लिए थे। स्ट्रेकर की गेंदबाजी के कारण ही पाक की टीम पूरे ओवर भी बल्लेबाजी नहीं कर पाई। पाक टीम 179 रन ही बना पायी। उसके 8 बल्लेबाज तो दो अंकों से आगे तक नहीं निकल पाये। स्ट्रेकर अंडर 19 विश्व कप के इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अभी तक 5 मैचों में 12 विकेट लिए हैं।

किरोन पोलार्ड की पारी गई बेकार, अंबाती रायुडू रहे फ्लॉप; एमआई को मात देकर प्लेऑफ के करीब पहुंचे जीजी

नई दिल्ली।

गत चैंपियन गल्फ जायंट्स ने आईएलटी-20 में रोमांचक मुकाबले में एमआई एमिरेट्स को पांच रन से हराकर प्लेऑफ में लगभग अपनी जगह पक्की कर ली है। जायंट्स के नौ मैचों में 10 अंक हो गए हैं और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं एमआइ नौ मैचों में 12 अंक लेकर पहले ही प्लेऑफ में जगह पक्की कर चुकी है। जी फाइव व एंड पिक्चर्स पर प्रसारित मुकाबले में एमआइ ने टास जीतकर जायंट्स को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया।

जेमी स्मिथ ने सिर्फ 26 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 42 रन की पारी खेली और टीम का स्कोर 158 तक पहुंचाया।

विंस ने खेली कप्तानी पारी

जायंट्स को कप्तान जेम्स विंस (59) ने तूफानी शुरुआत दिलाई और 4.2 ओवर में ही टीम का स्कोर 44 रन पहुंचा दिया। दूसरे छोर पर खड़े जोर्डन काक्स ने केवल इसमें दो रन का योगदान दिया। काक्स के आउट होने के बाद टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए।

टीम 90 रन के भीतर पांच विकेट गंवा चुकी थी। लेकिन अंत में

पोलार्ड की पारी पर फिरा पानी

अपने नियमित कप्तान निकोलस पूरन के बगैर खेल रही एमआई की सधी शुरुआत हुई, लेकिन 34 रन बनाने वाले कुसल परेरा बड़ी पारी नहीं खेल पाए। मध्यक्रम लड़खड़ाने के बाद अंत में कप्तान की भूमिका निभा रहे किरोन पोलार्ड ने 40 रन बनाकर टीम को अंतिम ओवर तक मैच में बनाए रखा, लेकिन जीत नहीं दिला पाए।

फ्रेंच कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा पीएसजी, किलियन एम्बाप्पे ने गोल कर दिलाई जीत

पेरिस ।

स्टार फ्रांसीसी फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे ने अपने क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की जीत में एक बार फिर उल्लेखनीय भूमिका निभाई। पीएसजी की ब्रेस्ट पर 3–1 से जीत में न सिर्फ उन्होंने गोल किया बल्कि अपनी टीम को फ्रेंच कप के क्वार्टर फाइनल में भी प्रवेश दिलाया। इस जीत के साथ पीएसजी के अजेय क्रम का कारवां 15 मैचों तक बढ़ गया है। एम्बाप्पे ने इस सत्र में पीएसजी के लिए 30वां गोल किया है।

फ्रेंच कप के 50 गोल में रही है एम्बाप्पे की भूमिका

बीते सप्ताह के अंत में एम्बाप्पे ने पीएसजी के लिए लीग–1 के अपने 19वें मैच में 20वां गोल किया था। ओप्टा की ओर से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार एम्बाप्पे की फ्रेंच कप के 28 मैचों में हुए 50 गोल में भूमिका रही है, जिसमें उनके 35 गोल हैं और 15 में उन्होंने सहायता की है। फ्रेंच कप के पिछले चार मैचों में उन्होंने 11 गोल किए हैं। एम्बाप्पे जहां अपने खेल से प्रभावित कर रहे हैं, वहीं पीएसजी चैंपियंस लीग में रियल सोसिदाद के खिलाफ अगले सप्ताह होने वाले अंतिम–16 के मैच से पहले बतौर टीम अभी भी नाजुक स्थिति में दिखती है।

पहले हाफ में दो गोल की बढ़त पर था पीएसजी

पार्क डेस प्रिंसेज में ब्रेस्ट ने अच्छी शुरुआत की और 34 मिनट तक अपना दबदबा बनाकर रखा। 34वें मिनट में एम्बाप्पे ने गतिरोध तोड़ा। वारेन एमरे के पास पर उन्होंने शक्तिशाली राइट फुटर लगाकर पीएसजी को 1–0 की बढ़त दिलाई। तीन मिनट बाद ही डेंबेले के पास पर दानिलो परेरा ने एक और गोल कर पीएसजी की बढ़त को 2–0 कर दिया। मध्यांतर से पहले पीएसजी के पास बढ़त 3–0 करने का मौका था, लेकिन एम्बाप्पे की चिप क्रासबार से टकराकर बाहर निकल गई। दूसरे हाफ में ब्रेस्ट ने वापसी की और 65वें मिनट में स्टीव मोनी के गोल की बदौलत स्कोर 1–2 कर दिया। हालांकि, ब्रेस्ट गति को बनाकर नहीं रख पाया और 69वें मिनट में एम्बाप्पे को गिराने के कारण लिलियन ब्रेसियर को लाल कार्ड दिखाकर मैच से बाहर कर दिया गया।

लियोन भी अंतिम-8 में

पीएसजी ने मैच पर पकड़ बनाकर रखी और स्टापेज समय में गोंजालो रामोस ने गोलकर पीएसजी की जीत 3–1 से पक्की कर दी। वहीं सात बार के फ्रेंच चैंपियन लियोन ने भी लिली को 2–1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

क्रिकेट में भारत के पास अद्भुत गहराई है, अंडर-19 फाइनल मैच दिलचस्प होगाः डिविलियर्स

जोहान्सबर्ग। पूर्व द.अफ्रीकी क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने पहले सेमीफाइनल में मेजबान दक्षिण अफ्रीका पर जीत के बाद अंडर–19 भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा की। भारत ने रिकॉर्ड छठे अंडर–19 विश्व कप खिताब की राह पर उदय सहारन की अगुवाई में प्रोटियाज़ को दो विकेट से हराकर नौवीं बार और लगातार पांचवीं बार शिखर फाइनल मुकाबले में जगह बनाई। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में ह्यूग वीबजेन की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को एक विकेट से हराया। भारत का सामना अब खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से होगा। डिविलियर्स ने दक्षिण अफ्रीका की हार पर निराशा व्यक्त की, लेकिन सेमीफाइनल में जिस तरह से भारतीय टीम ने जीत दर्ज की उसकी प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा, हां, मैं अंडर19 विश्व कप पर नजर रख रहा हूं। दो करीबी सेमीफाइनल मैच थे। खासकर ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान का मैच बेहद रोमांचक रहा। ऑस्ट्रेलियाई टीम के नौ विकेट गिर चुके थे लेकिन वे वापसी करने में कामयाब रहे जैसा कि वे बड़े क्षणों में करते हैं। इसके अलावा भारत–दक्षिण अफ्रीका का मैच भी करीबी था। शुरुआती चार विकेट लेने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका दबाव बनाने में नाकाम रहा। भारत ने शानदार वापसी की और सेमीफाइनल जीता। इससे पता चलता है कि भारत के पास क्रिकेट में अद्भुत गहराई है। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच फाइनल दिलचस्प होगा।

अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के रोमांस को देख यूजर्स ने उड़ाई खिल्ली, बोले- ड्रामा बंद करो

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 17 को खत्म हुए करीब 2 हफ्तों का ाय गुजरने वाला है। लेकिन इस शो टेस्टेंट्स को लेकर आए दिन लेटेस्ट ट लगातार सामने आ रहे हैं। बिग 17 की फाइनलिस्ट रहीं अंकिता ांडे का नाम इस समय जमकर ्यां बटोर रहा है। अंकिता ने अपने विक्की जैन के साथ लेटेस्ट तस्वीरों सोशल मीडिया पर शेयर किया है, नमें वह रोमांटिक होती हुई नजर आ ी हैं। लेकिन नेटिजंस को एक्ट्रेस ी ये तस्वीरें रास नहीं आई हैं और न्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। ुलमान खान के शो बिग बॉस 17 के घर में विक्की जैन और अंकिता लोखंडे के घर में काफी गहमा-गहमी देखने को मिली थी। जिसके चलते तो इनके पति-पत्नी के रिश्ते पर संकट के बादल भी मंडराए। लेकिन बिग बॉस 17 से बाहर आने के बाद इस कपल के बीच सब कुछ ठीक नजर आ रहा है। जिसके चलते अब अंकिता लोखंडे ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर किया है। इन फोटो में अंकिता अपने पति विक्की जैन के साथ रोमांटिक होते हुई नजर आ रही हैं। लेकिन अंकिता और विक्की की इन तस्वीरों को लेकर यूजर्स मजे ले रहे हैं और कमेंट कर लिख रहे हैं कि कितनी पोस्ट शेयर कर लो हम आपकी असलियत जानते हैं, ये ड्रामा अब बंद कर दो। दूसरे यूजर ने लिखा है- कितना भी कर लो ये सब दिखावा है, पता नहीं क्यों सच नहीं है आपका रिश्ता। एक अन्य यूजर ने तो इनके रिश्ते को फेक बता दिया है। इस तरह से तमाम यूजर्स अंकिता और विक्की को जमकर खरी-खोटी सुना रहे हैं। इससे पहले गुरुवार विक्की जैन और अंकिता लोखंडे एक साथ इंस्टाग्राम पर लाइव आए थे। बिग बॉस 17 के बाद ये पहला मौका था, जब ये कपल अपने फैंस से रूबरू होता हुआ नजर आया।

नींबू से करें ये आसान टोटके करियर में मिलेगा लाभ, दूर होगी हर बाधा

नींबू का सेवन करना सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी माना जाता है। लेकिन हम आज आपको इसके कुछ ऐसे टोटके बताने जा रहे हैं, जिससे आपको अपने जीवन में भी लाभ देखने को मिल सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में नींबू के कई उपाय बताए गए हैं, जो व्यक्ति को तमाम समस्याओं से बचा सकते हैं। आइए जानते हैं नींबू के ऐसे ही कुछ ज्योतिष उपाय।

करियर में सफलता के लिए : यदि कई कोशिशों के बाद भी आपको अपने करियर में सफलता नहीं कर पा रही हैं, तो इसके लिए आप नींबू का यह टोटका आजमा सकते हैं। इसके लिए एक नींबू लेकर उसमें चार लौंग लगाएं और हनुमान जी के मंदिर में जाकर हनुमान चालीसा औक सुंदरकांड का पाठ करें। इसके बाद अपने करियर में सफलता की कामना करें और वापस आकर इस नींबू को किसी नदी या जल स्रोत में प्रवाहित कर दें।

बुरी नजर से बचाव के उपाय : यदि आपके कि घर में किसी व्यक्ति या बच्चे को बुरी नजर गई लग गई है, तो इसके लिए नींबू का यह टोटका काम आ सकता है। इसके लिए जिस व्यक्ति को बुरी नजर लगी है, उसके ऊपर से सात बार नींबू को वार लें। इसके बाद इस नींबू के चार टुकड़े करके किसी चौराहे पर फेंक आएं। ऐसा करने से आपको बुरी नजर से निजात मिल सकती है।

बिजनेस में होगी वृद्धि : बिजनेस में लाभ देखने के लिए आप एक नींबू लें और उसे अपने कार्य स्थल के चारों दीवारों से स्पर्श कर लें। इसके बाद इसके चार हिस्से करें चौराहे की चार दिशा में एक-एक टुकड़ा फेंक दें। ऐसा करने से आपको अपने बिजनेस में लाभ देखने को मिल सकता है। वहीं, भाग्य में वृद्धि के लिए एक नींबू लेकर उसे सात पर सिर पर से वाल लें। इसके बाद इस नींबू को दो हिस्से काटकर किसी सुनसान जगह पर फेंक आएं।

नींबू मिर्च टांगने के फायदे : आपने कई घरों पर नींबू मिर्च टंगा हुआ देखा होगा। ऐसा करने से नकारात्मकता आपके घर में प्रवेश नहीं करती और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। नींबू-मिर्ची टांगने के लिए शनिवार का दिन सबसे अच्छा माना जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**